आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
# चेतना मंच

पेज 7 शाहरूख पर की बात ....

वर्ष : 26 | अंक : 339 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 30 नवंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

## संभल हिंसा : सपा नेताओं की 'नो एंट्री', 10 दिन तक रोक बढ़ाई

### समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने से रोका, धरने पर बैठे

**लखनऊ ( एजेंसी )।** संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसा के बाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा का 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आज संभल का दौरा करने वाला था, लेकिन यूपी पुलिस ने समाजवादी पाटर्स के नेताओं को संभल जाने से रोक दिया। देर रात से ही सपा नेताओं के घर के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई थी। सपा नेताओं को रोके जाने के बाद वह धरने पर बैठ गए हैं।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के सेक्टर-11 वृंदावन योजना स्थित आवास के बाहर रात से ही पुलिस तैनात कर दी गई थी। अभी पुलिस बाहर तैनात है। पुलिस ने उन्हें संभल के डीएम का एक लेटर उपलब्ध कराया है। विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव के डालीबाग स्थित आवास के बाहर भी पुलिस तैनात है लाल बिहारी यादव ने बताया कि पुलिस ने हमें संभल के डीएम का एक पत्र दिया है। इसमें कहा गया है कि 10 दिसंबर तक संभल में प्रवेश निषेध है। इसके अलावा सपा अध्यक्ष श्यामलाल पाल के घर के बाहर भी पुलिस लगा दी गई है।

सपा का यह प्रतिनिधिमंडल 24 नवंबर को अदालत के आदेश के बाद जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के संबंध में जानकारी जुटाने संभल जाने का प्रयास कर रहा है। संभल में एक साथ (शेष पृष्ठ-3 पर)

### प्रतिबंध लगाना भाजपा की नाकामी : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संभल मामले को लेकर एक्स पोस्ट में लिखा, 'प्रतिबंध लगाना भाजपा सरकार के शासन, प्रशासन और सरकारी प्रबंधन की नाकामी है. ऐसा प्रतिबंध अगर सरकार उन पर पहले ही लगा देती, जिन्होंने दंगा-फसाद करवाने का सपना देखा और उन्मादी नारे लगवाए तो संभल में सौहार्द-शांति का वातावरण नहीं बिगड़ता। भाजपा जैसे पूरी की पूरी कैबिनेट एक साथ बदल देते हैं, वैसे ही संभल में ऊपर से लेकर नीचे तक का पूरा प्रशासनिक मंडल निलंबित करके उन पर साजिशन लापरवाही का आरोप लगाते हुए, सच्ची कार्रवाइ करके बर्खास्त भी करना चाहिए और किसी की जान लेने का मुकदमा भी चलना चाहिए. भाजपा हार चुकी है।'

### 10 दिसंबर तक बाहरी लोगों का प्रवेश नहीं

**जामा मस्जिद के सर्वे के बाद भड़की हिंसा के बीच संभल जिला प्रशासन ने शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। जिला प्रशासन ने शनिवार को आदेश जारी कर 10 दिसंबर तक जिले में बाहरी लोगों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने आदेश जारी करते हुए कहा कि जिले की सीमा में किसी भी बाहरी व्यक्ति, सामाजिक संगठन या जनप्रतिनिधि को सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। इस कदम का उद्देश्य क्षेत्र में शांति बनाए रखना और किसी भी अप्रिय स्थिति को टालना है।**

### मुझे कहीं भी जाने का अधिकार : माता प्रसाद

उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि नियमानुसार उन्हें मुझे नोटिस देना चाहिए था कि मैं वहां नहीं जा सकता, लेकिन कोई लिखित नोटिस नहीं दिया गया। पुलिस तैनात कर दी गई। न्याय आयोग वहां जा रहा है, मीडिया के लोग वहां जा रहे हैं, क्या हम वहां जाएंगे तो कोई अशांति होगी? यह सरकार अपने सारे काम छिपाने के लिए हमें जानबूझकर रोक रही है। संभल का कमिश्नर 'उधारू' कमिश्नर हैं।

## होटल में फर्जी बुकिंग के नाम पर करते थे ठगी

**नोएडा ( चेतना मंच )।** नोएडा के सेक्टर-63 में पुलिस ने एक बड़े ठगी के रैकेट का पर्दाफाश किया है। फर्जी होटल बुकिंग के

### बड़े रैकेट का पर्दाफाश, सरगना समेत 20 गिरफ्तार

नाम पर लोगों से ठगी करने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें इस गिरोह का सरगना भी शामिल है।

पुलिस ने कॉल सेंटर पर छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में लैपटॉप, मोबाइल और ठगी से जुड़े कई दस्तावेज जब्त किए है। यह कॉल सेंटर पिछले कई महीनों से संचालित हो रहा था और लोगों को फर्जी ऑफर्स देकर उनकी रकम ऐंठ रहा था।

पुलिस का कहना है कि आरोपी सस्ते दामों में होटल बुकिंग के नाम पर लोगों को झांसा देते थे। ठगी के शिकार ज्यादातर लोग ऑनलाइन माध्यम से इनके संपर्क में आते थे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

## गाजियाबाद बॉर्डर पर रोके गए सपा सांसद वर्क, वापस भेजा

**गाजियाबाद ( एजेंसी )।** संभल में हिंसा के बाद बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक बढ़ाकर 10 दिसंबर तक कर दी गई है। आज संभल के जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र पैंसिया ने ऐलान किया है कि अब ये रोक 10 दिसंबर तक लागू रहेगी। मुगल काल में बनी शाही जामा मस्जिद को लेकर शुरू हुए विवाद ने अब शहर को लॉक कर दिया है। इस बीच गाजियाबाद बॉर्डर पर सपा सांसद जिया-उर-रहमान बर्क और हरेंद्र मलिक को हिंडन इलेवेटेड रोड पर रोक दिया गया है और उन्हें संभल नहीं जाने दिया जा रहा है। वर्क को पुलिस ने वापस भेज दिया।

पुलिस द्वारा गाजीपुर बॉर्डर पर रोके जाने के बाद सपा सांसद जिया-उर-रहमान बर्क ने कहा कि हमें उम्मीद नहीं थी कि पुलिस हमें इस तरह रोकेगी। यूपी के डीजीपी ने हमें तीन दिन बाद संभल जाने के लिए कहा था। जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल संभल जा रहा था। हमारा मकसद था कि वहां पीड़ितों से मिलते और पुलिस प्रशासन द्वारा की गई ज्यादती की रिपोर्ट बनाकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को सौंपते।

वहीं समाजवादी पार्टी के एक सांसद हरेंद्र मलिक ने कहा कि हम तो जायजा लेने जाना चाह रहे हैं. सरकार को भी बताएंगे कि वहां क्या क्या हुआ। सरकार फिर जांच करे। हमें संभल के पुलिस प्रशासन पर कोई भरोसा नहीं है। हम लोग जिम्मेदार हैं. हमारे जाने से कोई माहौल खराब नहीं होगा. हमारी वीडियोग्राफी करवा ली जाए। हम लोगों को उत्तेजित करने नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि या तो प्रशासन हमें जाने दे, और या नहीं तो छिपकर जाएंगे। हम तो जाकर रहेंगे संभल।

## ठेके को लेकर दादरी में फायरिंग, 10 हिरासत में

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** दादरी क्षेत्र के ईकोटेक-11 मायचा गांव में निर्माण कार्य के ठेके को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट के बाद फायरिंग हो गई।

घटना कंपनी नंबर-65 में हुई, जहां सुमित भाटी समेत 12 लोगों और विशाल समेत 8 लोगों के बीच झगड़ा हुआ।

पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों में गाली-गलौज के बाद मारपीट और फायरिंग शुरू हो गई। सूचना मिलने पर दादरी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात काबू किए। इस बीच बताएं जा रहा है एक शख्स गोली लगने से घायल हो गया। इसका ताल्लुक समाजवादी पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा से है।

थाना प्रभारी के अनुसार, दोनों पक्षों के 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है और सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और अग्रिम कानूनी कार्रवाई जारी है। घटना के बाद से इलाके में तनाव है, लेकिन पुलिस शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्क है।

## वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर 200 बाइक जलकर खाक

**वाराणसी ( एजेंसी )।** वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन पर भयानक आग लग गई। इस आग की चपेट में आने से 200 मोटरसाइकिल जलकर खाक हो गई। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। आग उस क्षेत्र में लगी, जहां रेलवे कर्मचारी अपनी वाहन पार्क करते हैं। घटना को वक्त रहते फायर ब्रिगेड और जीआरपी-आरपीएफ में मिलकर काबू कर लिया, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

बताया जा रहा है कि रेलवे स्टेशन पर खड़ी लगभग 200 मोटरसाइकिल आग में जलकर खाक हो गई. घटना वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 पर स्थित जीआरपी के पीछे बने रेलवे के मोटरसाइकिल स्टैंड की है, जहां कहा जा रहा है कि रेलवे कर्मचारी अपने वाहनों को खड़ा करते हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

गौतमबुद्धनगर के पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में Global Immersion Guarantee कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि के रूप मे प्रतिभाग किया तथा मोनाश यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया के छात्रों व संकाय सदस्यों को संबोधित कर 'पर्यावरण पर मानव प्रभाव, विकास व स्थिरता में संतुलन' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

## न्यायिक कार्य में बाधा डालने पर वकीलों के खिलाफ एफआईआर

**गाजियाबाद ( चेतना मंच )।** गाजियाबाद जिला जज को हटाने की मांग को लेकर वकील हड़ताल पर हैं। वहीं अब न्यायिक कार्य में अवरोध उत्पन्न करने के आरोप में 43 नामजद और 80 अज्ञात लोगों के खिलाफ कविनगर थाने में जिला जज के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

जिला जल के आदेश पर जनपद न्यायालय के केंद्रीय नाजिर की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया गया है कि 26 नवंबर को सुबह 11 बजे अधिवक्ता और उनके साथ काम करने वाले इंटर्न के अलावा बाहरी असामाजिक तत्व नारेबाजी करते हुए न्यायालय परिसर में घुस गए।

न्यायालय परिसर के अंदर बने भवनों के सभी तलों पर जाकर नारेबाजी की और न्यायिक कार्य को बाधित किया। वो वादकारी और पैरोकार न्यायालय कक्ष में मौजूद थे, उनसे अभद्रता की। विभिन्न न्यायालयों के दरवाजे बंद किए गए और वादकारी और पैरोकारों को न्यायालय से बाहर कर दिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

## कम जगह में अधिक वाहनों की पार्किंग, अगले माह टेंडर

**नोएडा ( चेतना मंच )।** भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में कम जगह में अधिक वाहनों की

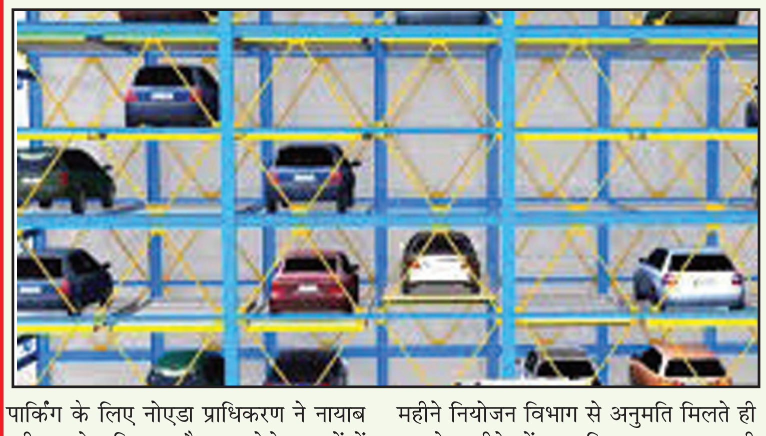

पार्किंग के लिए नोएडा प्राधिकरण ने नायाब तरीका खोज निकाला है। अब ऐसे इलाकों में पजल पार्किंग के नाम से ऑटोमैटिक 6 मंजिला पार्किंग बनाई जाएगी। इसकी शुरूआत सेक्टर-62 से की जाएगी।

नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (ट्रैफिक सेल) एस पी सिंह ने बताया कि नियोजन विभाग को फाइल भेजी है। इस महीने नियोजन विभाग से अनुमति मिलते ही अगले महीने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। सबसे पहले सेक्टर-62 में पजल पार्किंग बनाई जाएगी। इसके बाद सेक्टर-18 और अंत में प्राधिकरण के सामने।

ये पार्किंग स्टील के ढांचे पर बनाई जाएंगी। पहले चरण में शहर में तीन जगह ऐसी पार्किंग बनाने का निर्णय प्राधिकरण ने लिया है। सेक्टर-6 नोएडा प्राधिकरण दफ्तर के सामने, सेक्टर-18 सावित्री बाजार के पास और सेक्टर-62 में रामलीला मैदान के पास जगह चिन्हित की गई है। अभी इन तीनों जगह पार्किंग नहीं होने के कारण सड़क पर वाहन खड़े होने से लंबा जाम लगता है। प्राधिकरण यहां अलग-अलग जगह खाली पड़ी थोड़ी जगह पर पार्किंग की सुविधा देगा।

अधिकारियों ने बताया कि ये पार्किंग स्टील के स्ट्रक्चर पर छह मंजिल तक बनाई जाएंगी। इनमें करीब 80 गाड़ियों के खड़े किए जाने का अनुमान है। सेक्टर-18 में सावित्री बाजार में मोबाइल मार्केट मुख्य सड़क के पास ही है। ऐसे में इसका फायदा अट्टा बाजार में आने वाले लोगों को भी होगा।

यह ऑटोमेटिक पार्किंग सिस्टम होता है। इसमें कई स्तर पर स्लाइडिंग प्लैटफॉर्म होते हैं, जिनकी मदद से वाहनों को किसी भी तरफ घुमाया जा सकता है। इस सिस्टम की मदद से उपलब्ध जगह में ज्यादा से ज्यादा वाहनों को खड़ा किया जा सकता है। इसमें किसी भी कार को अन्य कार को हटाए या छुए बिना पार्क किया जा सकता है। इसमें, स्टैंड ऊपर, नीचे, दाएं, और बाएं घूम सकते हैं।

### 15 लाख रुपये खर्च आने का अनुमान

स्टील के ढांचे पर एक गाड़ी की पार्किंग बनाने के लिए 16-17 लाख रुपये के आसपास खर्च आने की उम्मीद है। अधिकारियों का कहना है कि जिस एजेंसी को टेंडर दिया जाएगा, उससे लेबर अनुबंध के आधार पर काम का जिम्मा दिया जाएगा। यानि पार्किंग से जो शुल्क आएगा, उसके अनुपात में लेबर का शुल्क एजेंसी को दिया जाएगा। इससे उसका खर्चा निकलेगा। इसके अलावा विज्ञापन का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

## भाजपा के सभी बूथों के गठन की कवायद तकरीबन पूरी!

### मंडल अध्यक्षों को लेकर बैठक शुरू, 15 तक अध्यक्ष की ताजपोशी

**नोएडा ( चेतना मंच )।** पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर में सांगठनिक कवायद जोरों पर चल रही है। नोएडा विधानसभा क्षेत्र में सभी बूथों के अध्यक्षों तथा कार्यसमिति का गठन तकरीबन पूरा हो गया है। अब मंडल अध्यक्षों के चयन को लेकर भी बैठक शुरू हो गयी है।

बता दें कि 30 नवंबर तक बूथों के अध्यक्षों व कमेटी का गठन प्रस्तावित था। नोएडा विधानसभा क्षेत्र में कुल 730 बूथ हैं। जिनमें तकरीबन 90 फीसदी बूथ अध्यक्षों तथा कमेटी का गठन पूरा कर लिया गया है। इसके बाद 1 से 15 दिसंबर तक मंडल अध्यक्षों की प्रक्रिया शुरू होनी है। कल शुक्रवार से चुनाव अधिकारी तथा कौशांबी के पूर्व सांसद विनोद सोनकर ने मंडल अध्यक्षों के नियुक्ति की कवायद शुरू कर दी है। शुक्रवार को दो मंडलों की बैठक की गई। इसके बाद दो की बैठक आज हो रही है। इस तरह 8 मंडलों की बैठक के बाद अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उम्मीद है कि दिसंबर के अंत तक सभी आठों मंडलों के अध्यक्षों का चयन हो जाएगा।

उम्मीद जताई जा रही है कि 15 दिसंबर तक हर हालत में नोएडा महानगर अध्यक्ष की नियुक्ति हो जाएगी। अध्यक्ष पद की दौड़ में एक दर्जन से अधिक दावेदार हैं। अभी से कइयों ने अध्यक्ष पद हासिल करने के लिए अपने-अपने आकाओं की परिक्रमा तेज कर दी है। किसके सर अध्यक्ष का सेहरा बंधेगा यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। फिलहाल दावेदारों की मैराथन दौड़ शुरू है।

## ईवीएम पर इल्जाम

महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया है-ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है।' अब विपक्षी राग इतना उग्र हो चुका है कि राहुल गांधी की 'बैलेट पेपर यात्रा' की खबर सुर्खियों में है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने भी कहा है कि बैलेट पेपर की वापसी के लिए हमें अब आंदोलन करना चाहिए। यह कांग्रेस की संवैधानिक इच्छा है कि वह 'ईवीएम बनाम बैलेट पेपर' का जनांदोलन शुरू करे, लेकिन भारत के चुनाव आयोग को यूं ही नहीं कोसा जा सकता। चुनाव आयोग की स्थापना संविधान लागू होने से पूर्व ही कर दी गई थी। संविधान और लोकतंत्र की गरिमा और सफलता तभी है, जब देश में स्वतंत्र, निर्भीक, मुक्त और निष्पक्ष चुनाव हों। संविधान सभा में चुनाव आयोग के प्रारूप पर लंबी बहसें हुई थीं। उन्हीं के बाद संविधान में चुनाव आयोग तथा चुनाव प्रक्रिया से संबंधित 16 अनुच्छेद जोड़े गए थे। उनमें बुनियादी अनुच्छेद 324 भी शामिल था। अब इन तर्कों के कोई भी मायने नहीं रहे कि कांग्रेस जब किसी राज्य में अथवा लोकसभा चुनाव में 100 सीटें जीतती है, तो ईवीएम का भूत 'कांग्रेसमय' हो जाता है। जब हरियाणा और महाराष्ट्र सरीखे महत्वपूर्ण चुनाव हारती है, तो फिर 'भाजपा का भूत' चिल्लाने लगती है। हालांकि झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने झारखंड का चुनाव जीता है और वहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शपथ भी ग्रहण कर चुके हैं। कांग्रेस के ईवीएम पूर्वाग्रह और भूतैले आरोपों पर सर्वोच्च अदालत ने हाल ही में फटकार लगाई है। सर्वोच्च अदालत ईवीएम को दोषमुक्त मानते हुए 'हरी झंडी' भी दे चुकी है। सवाल यह है कि चुनाव आयोग कांग्रेस समेत विपक्ष को आश्वस्त कैसे करे कि ईवीएम में कोई भूत नहीं है, उसे हैक नहीं किया जा सकता अथवा ईवीएम में विसंगतियां नगण्य हैं? अब कांग्रेस ईवीएम के बजाय 'बैलेट पेपर' से मतदान कराने पर अड़ी है। चुनाव-प्रक्रिया के 'पाषाण-काल' में लौटने की जिद की जा रही है। बैलेट पेपर से मतदान वाले दिन और दौर हमने भी देखे हैं। कब, कितने बूथ लूट लिए गए अथवा अवैध मतदान किया गया, अवैध बूथ छाप दिए गए या मतदान से पहले ही 'बैलेट पेपर' लीक हो गए और घरों पर बैठ कर उन पर मुहर लगा दी गई? ऐसे असंख्य दृश्य बिहार, उप्र, पश्चिम बंगाल चुनावों के हमें आज भी याद हैं और कौंधते रहते हैं। कांग्रेस ने अधिकतर चुनाव बैलेट युग में ही जीते हैं। क्या अब देश को भी पाषाण-काल में लौट जाना चाहिए? ईवीएम 2004 से भारत में लागू है। तब लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी। अगला 2009 का आम चुनाव भी कांग्रेस के पक्ष में रहा था, हालांकि किसी भी पक्ष को बहुमत हासिल नहीं हुआ था। भारत की चुनाव-व्यवस्था विश्व भर में विख्यात और प्रशंसनीय है। बीते 12 सालों से 130 से ज्यादा देशों के चुनाव आयुक्त हमारे चुनाव आयोग से सीख रहे हैं। इतना व्यापक मतदान देख कर और उसकी प्रक्रिया जान कर वे विदेशी आयुक्त अचंभित होते हैं। क्या अच्छी तरह चुनाव सम्पन्न कराना 'महान लोकतंत्र' का हिस्सा नहीं है? बेशक हमारे चुनावों पर भ्रष्टाचार, अनपढ़ता, खराब लैंगिक भागीदारी, नागरिक मुक्ति पर हमले और देश की राजनीतिक संस्कृति सरीखे कुछ कलंक भी चस्पा किए जाते रहे हैं। बहरहाल अब मुद्दा ईवीएम का है। सर्वोच्च अदालत और चुनाव आयोग 'बैलेट पेपर मतदान' की संभावनाओं को खारिज कर चुके हैं। ऐसा करना व्यावहारिक नहीं होगा।

## रामचरित मानस

**कल के अंक में आपने पढ़ा था विवेक अपने सहायकों सहित भाग गया, उसके योद्धा रणभूमि से पीठ दिखा गए। उस समय वे सब सद्ग्रन्थ रूपी पर्वत की कन्दराओं में जा छिपे ( अर्थात ज्ञान, वैराग्य, संयम, नियम, सदाचारादि ग्रंथों में ही लिखे रह गए, उनका आचरण छूट गया )। सारे जगत में खलबली मच गई ( और सब कहने लगे ) हे विधाता! अब क्या होने वाला है? हमारी रक्षा कौन करेगा? ऐसा दो सिर वाला कौन है, जिसके लिए रति के पति कामदेव ने कोप करके हाथ में धनुष-बाण उठाया है? उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**दो0- जे सजीव जग अचर चर नारि पुरुष अस नाम।**
**ते निज निज मरजाद तजि भए सकल बस काम॥**

जगत में स्त्री-पुरुष संज्ञा वाले जितने चर-अचर प्राणी थे, वे सब अपनी-अपनी मर्यादा छोड़कर काम के वश में हो गए॥

**सब के हृदयँ मदन अभिलाषा। लता निहारि नवहिं तरु साखा॥**
**नदीं उमगि अंबुधि कहुँ धाई। संगम करहिं तलाव तलाई॥1॥**

सबके हृदय में काम की इच्छा हो गई। लताओं (बेलों) को देखकर वृक्षों की डालियाँ झुकने लगीं। नदियाँ उमड़-उमड़कर समुद्र की ओर दौड़ीं और ताल-तलैयाँ भी आपस में संगम करने (मिलने-जुलने) लगीं॥

**जहँ असि दसा जड़न्ह कै बरनी। को कहि सकइ सचेतन करनी॥**
**पसु पच्छी नभ जल थल चारी। भए काम बस समय बिसारी॥**

जब जड़ (वृक्ष, नदी आदि) की यह दशा कही गई, तब चेतन जीवों की करनी कौन कह सकता है? आकाश, जल और पृथ्वी पर विचरने वाले सारे पशु-पक्षी (अपने संयोग का) समय भुलाकर काम के वश में हो गए॥ (क्रमशः..)

# भारतीय आर्थिक दर्शन एवं प्राचीन भारत में आर्थिक विकास

भारत में वेदों, पुराणों एवं शास्त्रों में यह कहा गया है कि मानव जीवन हमें मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्राप्त हुआ है। मोक्ष प्राप्ति के लिए अच्छे कर्मों का करना आवश्यक है। अच्छे कर्म अर्थात हमारे किसी कार्य से किसी पशु, पक्षी, जीव, जंतु को कोई दुःख नहीं पहुंचे एवं सर्व समाज की भलाई के कार्य करते रहें। अर्थात, इस धरा पर निवास करने वाले प्रत्येक प्राणी का कल्याण हो, मंगल हो। ऐसी कामना भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में की जाती है।

इसी प्रकार, धर्म के महत्व को स्वीकार करते हुए कौटिल्य के अर्थशास्त्र, नारद की नारद स्मृति और याग्वल्य की याग्वल्य स्मृति में कहा गया है कि 'अर्थशास्त्रास्तु बलवत धर्मशास्त्र नीतिस्थिति'। अर्थात, यदि अर्थशास्त्र के सिद्धांत एवं नैतिकता के सिद्धांत के बीच कभी विवाद उत्पन्न हो जाए तो दोनों में से किसे चुनना चाहिए। कौटिल्य, नारद एवं याग्वल्य कहते हैं कि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों की तुलना में यानी केवल पैसा कमाने के सिद्धांतों की तुलना में हमको धर्मशास्त्र के सिद्धांत अर्थात नैतिकता, संयम, जिससे समाज का भला होता हो, उसको चुनना चाहिए। कुल मिलाकर अर्थतंत्र धर्म के आधार पर चलना चाहिए। गुनार मृडल जिनको नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ था एवं जिनकी 'एशियन ड्रामा' नामक पुस्तक बहुत मशहूर हुई थी। उन्होंने एक और छोटी किताब लिखी है जिसका नाम है 'अगेन्स्ट द स्ट्रीम'। इस किताब में उन्होंने अर्थशास्त्र को एक नैतिक विज्ञान बताया है। कुछ वर्ष पूर्व अखबारों में एक खबर छपी थी कि विश्व बैंक ने यह जानने के लिए एक अध्ययन प्रारम्भ किया है कि विकास में आध्यात्म की कितनी भूमिका है। इसी प्रकार दुनिया में यह जानने का प्रयास भी किया जा रहा है कि दरिद्रता मिटाने में धर्म की क्या भूमिका हो सकती है।

प्राचीन भारत के वेद-पुराणों में धन अर्जित करने को बुरा नहीं माना गया है। प्राचीन काल में वेदों का एक भाष्यकार हो गया है, जिसका नाम यासक था। यासक ने 'निघंटू' नामक ग्रंथ में धन के 28 समानार्थ शब्द बताए हैं, और प्रत्येक शब्द का अलग अलग अर्थ है। दुनिया की किसी पुस्तक में अथवा किसी अर्थशास्त्र की किताब में धन के 28 समानार्थ शब्द नहीं मिलते हैं। भारत के शास्त्रों में धन के सम्बंध में उच्च विचार बताए गए हैं। भारत के शास्त्रों ने अर्थ के क्षेत्र को हेय दृष्टि से नहीं देखा है एवं यह भी कभी नहीं कहा है कि धन अर्जन नहीं करना चाहिए, पैसा नहीं कमाना चाहिए, उत्पादन नहीं बढ़ाना चाहिए। बल्कि दरिद्रता एवं गरीबी को पाप बताया गया है। हां, वेदों में यह जरूर कहा गया है कि जो भी धन कमाओ वह शुद्ध होना चाहिए। 'ब्लैक मनी' नहीं होना चाहिए, भ्रष्टाचार करके धन नहीं कमाना चाहिए, स्मग्लिंग करके धन नहीं कमाना चाहिए, कानून का उल्लंघन करते हुए धन अर्जन नहीं करना चाहिए, ग्राहक को धोखा देकर धन नहीं कमाना चाहिए। मनु स्मृति में तो मनु महाराज ने कहा है कि सब प्रकार की शुद्धियों में सर्वाधिक महत्व की शुद्धि अर्थ की शुद्धि है। भारतीय शास्त्रों में खूब धन अर्जन करने के बाद इसके उपयोग के सम्बंध में व्याख्या की गई है। अर्जित किए धन को केवल अपने लिए उपभोग करना, उस धन से केवल ऐय्याशी करना, केवल अपने लिए काम में लेना, अपने परिवार के लिए मौज मस्ती करना, आदि को ठीक नहीं माना गया है। अर्जित किए गए धन को समाज के साथ मिल बांटकर, समाज के हितार्थ

*प्राचीन भारत के वेद-पुराणों में धन अर्जित करने को बुरा नहीं माना गया है। प्राचीन काल में वेदों का एक भाष्यकार हो गया है, जिसका नाम यासक था। यासक ने 'निघंटू' नामक ग्रंथ में धन के 28 समानार्थ शब्द बताए हैं, और प्रत्येक शब्द का अलग अलग अर्थ है।*

उपयोग करना चाहिए।

भारत के प्राचीन ग्रंथों में जीवन के उद्देश्य को पुरुषार्थ से जोड़ते हुआ यह कहा गया है कि धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष, इन चारों बातों पर विचार करके मनुष्य को सुखी करने के सम्बंध में विचार किया जाना चाहिए। इसी विचार के चलते भारत के मनीषियों द्वारा अर्थ और काम को नकारा नहीं गया है। कई बार भारत के बारे में वैश्विक स्तर पर इस प्रकार की भ्रांतियां फैलाने का प्रयास किया जाता रहा है कि भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में तो अर्थ और काम को नकार दिया गया है। प्राचीन काल में भी ऐसा कतई नहीं हुआ है। अगर, ऐसा हुआ होता तो भारत सोने की चिड़िया कैसे बनता? हां, भारत के प्राचीन शास्त्रों में यह जरूर कहा गया है कि अर्थ और काम को बेलगाम नहीं छोड़ना चाहिए। अर्थ और काम को मर्यादा में ही रहना चाहिए। धन अर्जित करने पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं है परंतु यह धर्म का पालन करते हुए कमाना चाहिए। अर्थात, अर्थ को धर्म के साथ जोड़ दिया गया है। इसी प्रकार काम को भी धर्म के साथ जोड़ा गया है। उपभोग यदि धर्म सम्मत और मर्यादित होगा तो इस धरा का दोहन भी सीमा के अंदर ही रहेगा। अतः कुल मिलाकर अर्थशास्त्र में भी नैतिकता का पालन होना चाहिए। प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र एवं वर्तमान अर्थशास्त्र में यह भी एक बहुत बड़ा अंतर है। आजकल कहा जाता है कि नीति का अर्थशास्त्र से कोई लेना देना नहीं है। जबकि वस्तुतः ऐसी कोई भी अर्थव्यवस्था, अर्थतंत्र और विकास का कोई भी तंत्र जिसमें नैतिकता को स्वीकार न किया जाय वह चल नहीं सकती और वह समाज का भला नहीं कर सकती।

अर्थ को प्रदान किए गए महत्व के चलते ही प्राचीनकाल में भारत में दूध की नदियां बहती थीं, भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था, भारत का आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में बोलबाला था। भारत के ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक बहुत सम्पन्न हुआ करते थे। कृषि उत्पादकता की दृष्टि से भी भारत का पूरे विश्व में डंका बजता था तथा खाद्य सामग्री एवं कपड़े आदि उत्पादों का निर्यात भारत से पूरे विश्व को होता था। भारत के नागरिकों में देश प्रेम की भावना कूट कूट कर भरी रहती थी तथा उस खंडकाल में भारत का वैभव काल चल रहा था, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों में नागरिक आपस में भाई चारे के साथ रहते थे एवं आपस में सहयोग करते थे। केवल 'मैं' ही तरक्की करूं इस प्रकार की भावना का सर्वथा अभाव था एवं 'हम' सभी मिलकर आगे बढ़ें, इस भावना के साथ ग्रामीण इलाकों में नागरिक प्रसन्नता के साथ अपने अपने कार्य में व्यस्त एवं मस्त रहते थे।

प्राचीन काल में भारत में भव्यता के स्थान पर दिव्यता को अधिक महत्व दिया जाता रहा है। भव्यता का प्रयोग सामान्यतः स्वयं के विकास के लिए किया जाता है। जबकि दिव्यता का उपयोग समाज के विकास में आपकी भूमिका को आंकने के पश्चात किया जाता है। भव्यता दिखावा है, भव्यता प्रदर्शन है, अतः केवल भव्यता के कारण किसी का जीवन ऊंचाईयों को नहीं छू सकता है, इसके लिए दिव्यता होनी चाहिए, अर्थात समाज की भलाई के लिए अधिक से अधिक कार्य करना होता है।

अर्थ को धर्म से जोड़ने के साथ ही, प्रकृति के संरक्षण की बात भी भारतीय पुराणों में मुखर रूप से कही गई है। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति के अनुसार नदियों, पहाड़ों, जंगलों, जीव जंतुओं में भी देवताओं का वास है, ऐसा माना जाता है। इसीलिए यह कहा गया है कि इस पृथ्वी पर उपलब्ध संसाधनों का दोहन करें, शोषण नहीं करें। सर जगदीश चंद्र बसु ने एक परीक्षण किया और इस परीक्षण के माध्यम से यह सिद्ध किया कि पेड़ पौधों में भी वैसी ही संवेदना होती है जैसी मनुष्यों में संवेदना होती है। जिस प्रकार मनुष्य रोता है, हंसता है, प्रसन्न होता है, नाराज होता है, इसी प्रकार की संवेदनाएं पेड़ पौधों में भी पाई जाती हैं। सर जगदीश चंद्र बसु ने वैज्ञानिक तरीके से जब यह सिद्ध किया तो दुनिया में तहलका मच गया। जबकि भारतीय शास्त्रों में तो इन बातों का वर्णन सदियों पूर्व ही मिलता है। जब इन तथ्यों को वैज्ञानिक आधार दिया गया तो अब पूरी दुनिया भारत के इन प्राचीन विचारों पर साथ खड़ी नजर आती है। भारतीय मनीषियों ने इसीलिए यह बार बार कहा है कि पेड़ पौधों की रक्षा करें, इन्हें काटें नहीं। क्योंकि, इससे पर्यावरण की रक्षा तो होती ही है, साथ ही, पेड़, पौधों के रूप में एक प्रकार से किसी प्राणी की हत्या करने से भी बचा जा सकता है।

भारतीय संस्कृति में यह भावना रही है कि व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास हो एवं उसे पूर्ण सुख की प्राप्ति हो। इसलिए, उक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ही देश में सामाजिक एवं आर्थिक रचना होनी चाहिए। प्राचीन भारत में इसी नाते व्यक्ति को मान्यता देने के साथ साथ परिवार को भी मान्यता दी गई है। परिवार को समाज में न्यूनतम इकाई माना गया है। व्यक्तियों से परिवार, परिवारों से समाज, समाज से देश और देशों से विश्व बनता है। अतः कुटुंब को भारतीय समाज में अत्यधिक महत्व दिया गया है।

भारतीय शास्त्रों में कुल मिलाकर यह वर्णन मिलता है कि प्राचीन भारत के लगभग प्रत्येक परिवार में गाय के रूप में पर्याप्त मात्रा में पशुधन उपलब्ध रहता था जिससे प्रत्येक परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत आसानी से हो जाती थी। गाय के गोबर एवं गौमूत्र से देसी खाद का निर्माण किया जाता था जिसे कृषि कार्यों में उपयोग किया जाता था एवं गाय के दूध को घर में उपयोग करने के बाद इससे दही, घी एवं मक्खन आदि पदार्थों का निर्माण कर इसे बाजार में बेच भी दिया जाता था। इसी प्रकार गौमूत्र से कुछ आयुर्वेदिक दवाईयों का निर्माण भी किया जाता था। अतः कुल मिलाकर परिवार एवं समाज में किसी भी प्रकार की गतिविधि सम्पन्न करने के लिए अर्थ की आवश्यकता महसूस होती है।

अर्थ के विभिन्न आयामों को समझने के लिए भारत के प्राचीन काल में अर्थशास्त्र की रचना की गई थी। आचार्य चाणक्य को भारत में अर्थशास्त्र का जनक कहा जाता है। अर्थशास्त्र को परिभाषित करते हुए कहा जाता है कि नागरिकों को संतुष्टि प्रदान करने (वस्तुओं एवं सेवाओं का भारी मात्रा में उत्पादन कर उसकी आसान उपलब्धता कराना) के उद्देश्य से उत्पादन के साधनों (भूमि, श्रम, पूंजी, आदि) का दक्षतापूर्ण वितरण करना ही अर्थशास्त्र है।

दुनिया में कोई भी विचारक जब कभी भी आर्थिक विकास के बारे में सोचता है अथवा इस सम्बंध में कोई योजना बनाने का विचार करता है तो सामान्यतः उसके सामने मुख्य रूप से यह उद्देश्य रहता है कि उस देश का आर्थिक विकास इस तरह से हो कि उस देश के समस्त नागरिकों की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत आसानी से होती रहे, वे सम्पन्न बनें एवं खुश रहें। इस प्रकार, नागरिकों में प्रसन्नता का भाव विकसित करने में अर्थ के योगदान को भी आंका गया है। कई बार भारतीय समाज में यह उक्ति भी सुनाई देती है कि 'भूखे पेट ना भजन हो गोपाला' अर्थात यदि देश के नागरिकों की भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति ही नहीं होगी तो अध्यात्मवाद की ओर वे किस प्रकार मुड़ेंगे। आचार्य चाणक्य जी ने भी कहा है कि धर्म के बिना अर्थ नहीं टिकता, अर्थात धर्म एवं अर्थ का आपस में सम्बंध है।

**- प्रहलाद सबनानी**
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक

# 'एक हैं तो सेफ हैं' सिर्फ चुनावी नारा नहीं बल्कि !

बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार का राउंड टू चल रहा है जिसे दुनिया के बड़े-बड़े देश बड़े चाव से देख रहे हैं। हिंदुओं को जिस तरह मारा काटा जा रहा है उस पर संयुक्त राष्ट्र भी चुप है, संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार आयोग और दुनिया भर में काम करने वाले तमाम मानवाधिकार संगठन चुप हैं क्योंकि जिनको मारा जा रहा है, जिनको काटा जा रहा है, जिनके घर जलाये जा रहे हैं, जिनके यहां लूट की जा रही है, जिनकी बेटियों के साथ अत्याचार किये जा रहे हैं, वह सब हिंदू हैं। गाजा में एक भी मस्जिद पर हमला होता है तो पूरी दुनिया में मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक बड़ा बवाल खड़ा कर देने वाले बांग्लादेश में मंदिरों को आग के हवाले होते देख कर, देवी-देवताओं की मूर्तियों को खंडित होता देख कर बड़े खुश हो रहे हैं और किसी की जुबान से उफ तक नहीं निकल रही।

देखा जाये तो बांग्लादेश में शेख हसीना को पद से हटाने के बाद कट्टरपंथियों ने शासन करने के लिए जिन मोहम्मद यूनुस को चुना वह तो सबसे बड़े कट्टरपंथी निकले। मोहम्मद यूनुस की आंखों के सामने हिंदुओं का खून बह रहा है और वह कह रहे हैं कि यह हमारा आंतरिक मामला है। दुनिया के किसी भी हिस्से में जब किसी हमले में मुस्लिमों की मौत होती है तो पूरी दुनिया में विरोध प्रदर्शन होते हैं और संयुक्त राष्ट्र भी आपात बैठकें बुला कर निंदा प्रस्ताव पास करने लगता है और शांति की अपील करने लगता है लेकिन ढाका और बांग्लादेश के अन्य इलाकों में हिंदुओं का खून बह रहा है तो इसे एक देश का आंतरिक मामला बताया जा रहा है। मोहम्मद यूनुस जिस तरह इतने खूनखराबे पर भी खामोश हैं और मुस्कुरा के सब कुछ देख रहे हैं उसके चलते उनका नोबेल शांति पुरस्कार छीना जाना चाहिए। शांति का नोबेल पुरस्कार किसी ऐसे व्यक्ति के पास हर्गिज नहीं रहना चाहिए जो नरसंहार को बढ़ावा दे रहा हो या उसे रोक पाने के लिए कोई कदम नहीं उठा रहा हो। बांग्लादेश के हालात को देखते हुए तो ऐसा लगता है कि मोहम्मद यूनुस को लाया ही इसलिए गया था ताकि वह कट्टरपंथियों को मनमानी करने की आजादी दे सकें और इस्लामिक देश से उसी तरह हिंदुओं का सफाया किया जा सके जिस तरह पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने अपने यहां से कर दिया। इसमें कोई दो राय नहीं कि आरक्षण के नाम पर बांग्लादेश में शुरू हुआ आंदोलन अब हिंदू विरोधी आंदोलन का रूप ले चुका है।

**देखा जाये तो बांग्लादेश में शेख हसीना को पद से हटाने के बाद कट्टरपंथियों ने शासन करने के लिए जिन मोहम्मद यूनुस को चुना वह तो सबसे बड़े कट्टरपंथी निकले। मोहम्मद यूनुस की आंखों के सामने हिंदुओं का खून बह रहा है और वह कह रहे हैं कि यह हमारा आंतरिक मामला है।**

बहरहाल, बांग्लादेश से जो तस्वीरें और वीडियो सामने आ रहे हैं उससे भारत के हिंदुओं को भी बटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सेफ हैं का अर्थ समझ आ जाना चाहिए। बांग्लादेश की स्थिति बता रही है कि अगर हिंदू कटेंगे तो दुनिया में कहीं कोई आवाज नहीं उठेगी और कोई बचाने नहीं आयेगा इसलिए एक हैं तो सेफ हैं यह कोई चुनावी नारा नहीं बल्कि दीर्घायु रहने का मंत्र है।

**- नीरज कुमार दुबे**

## राशिफल

**मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष : पंचमी**

**(विक्रम संवत् 2081)**

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
जीवनसाथी के साथ आनंददायक जीवन गुजारेंगे। नौकरी-चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी है स्वास्थ्य में सुधार।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम। प्रेम संतान बहुत अच्छा। बहुत अच्छा।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)**
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा समय।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)**
भूमि, भवन वाहन की खरीदारी की प्रबल योग बन रहा है। स्वास्थ्य बहुत अच्छा, प्रेम, संतान की अभी मध्यम है।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)**
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। आपको शब्दों से अमृत टपकेंगे।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)**
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। जो चाहेंगे, वैसा होगा। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा।

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)**
फैशन इत्यादि में खर्च की अधिकता रहेगी। कर्ज की स्थिति आ सकती है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम।

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)**
आय के नवीन सोर्स बनेंगे। यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा।

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
व्यापारिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। पिता का साथ होगा। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम-संतान अच्छा।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)**
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा।

**मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)**
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

# महिलाओं को जोड़ने का एक सकारात्मक मंच है सोशल कनेक्ट

**नोएडा (चेतना मंच)।** आज के दौर में, जब सहयोग विकास की कुंजी है, सोशल कनेक्ट एक ऐसा मंच है जो महिलाओं को एकजुट होकर जुड़ने और आगे बढ़ने का मौका देता है।

इस समूह की स्थापना तीन गतिशील महिलाओं—मीनाक्षी नरूला, टीना सिंह, और पारिधि सिंह—ने की, जिनका उद्देश्य महिलाओं को व्यवसाय, कार्यक्रमों और सामाजिक आयोजनों के लिए एक साथ लाना है। यह केवल एक समूह नहीं है, बल्कि एक आंदोलन है, जहां महिलाएं एक-दूसरे का समर्थन करती हैं, व्यावसायिक प्रगति को बढ़ावा देती हैं और जीवन का जश्न मनाती हैं।

29 नवंबर 2024 को नोएडा में आयोजित पहली बैठक एक बड़ी सफलता रही। विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं ने इस आयोजन में भाग लिया, विचार साझा किए, नेटवर्किंग की, और मजबूत रिश्ते बनाए। उद्यमियों और पेशेवरों से लेकर रचनात्मक व्यक्तित्वों और गृहिणियों तक, यह आयोजन विविधता और एक सहयोगात्मक समुदाय की ताकत को दर्शाता है।

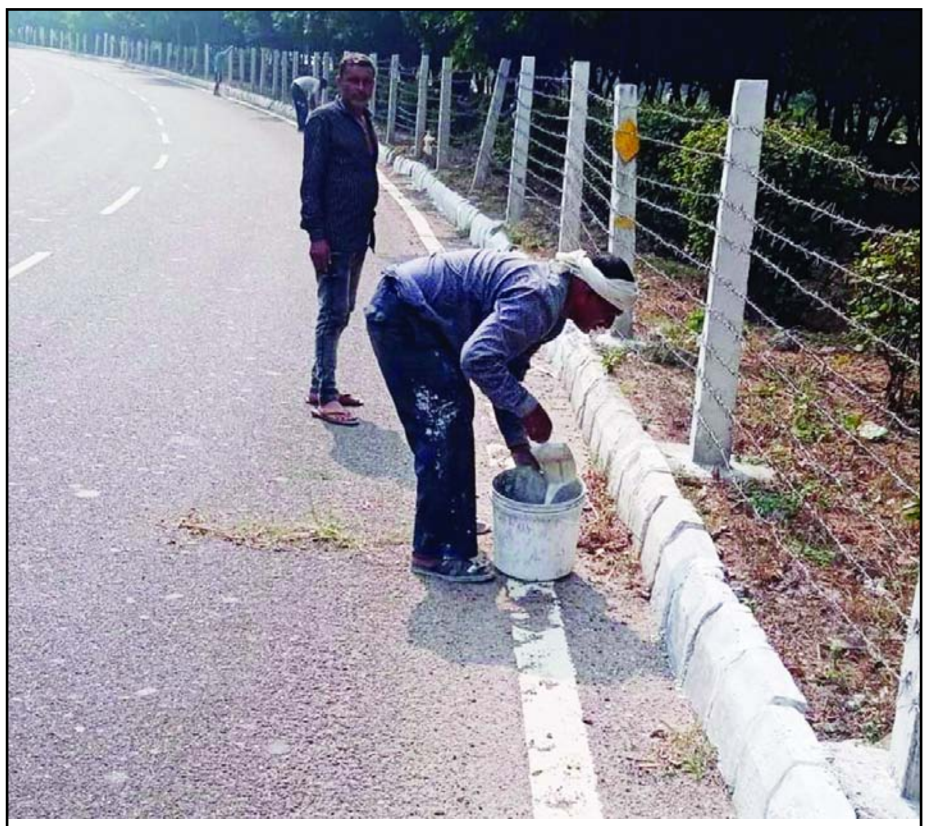

सड़क यातायात सुरक्षित बनाने, सेंट्रल वर्ज की दृश्यता बढ़ाने तथा हरियाली का संरक्षण करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण सेक्टर ईटा-2, ओमिक्रोन-3, पी-1 आदि स्थानों पर सेंट्रल वर्ज के वायर फेंस रिपेयरिंग का कार्य कराया जा रहा है।

# समाज में कायम की मिसाल बिना दान दहेज के हुई शादी

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** गुर्जर समाज के चौधरी जतन सिंह चपराना के सुपुत्र हर्षित का विवाह आकांशा सुपुत्री अरुण चंडीला एडवोकेट निवासी गिरधरपुर के साथ बीते 28 नवंबर को सम्पन्न हुआ। इस विवाह की क्षेत्र में काफी चर्चा है।

इस विवाह में वर पक्ष ने सारी रस्में चिट्ठी, लगन व कन्यादान में भी 101 रूपया ही लिया। इसके अलावा कोई भी दहेज या किसी भी प्रकार का सामान नहीं लिया गया। चौधरी जतन सिंह चपराना SHO ने भात में भी 101 रूपया ही लिया। जहां गुर्जर समाज में दहेज का प्रचलन चरम पर है। वहीं जतन सिंह चपराना के परिवार ने बिना दहेज विवाह कर आदर्श स्थापित किया है।

विजेंद्र सिंह चपराना ने बताया की अगर सभी समाज ऐसी शादियां करे तो दहेज के लिये जो लड़कियां जलाकर मार दी जाती हैं फिर ऐसा घिनोना काम किसी बिटिया के साथ नहीं होगा।

# भगवान का नाम लेकर कठिनाईयों का सामना करें : मनु महाराज

**सुरियावा (भदोही)।** सुरियावा के देवदासपुर गांव में गत 28 नवंबर से चल रहे श्रीमद् भागवत पुराण कथा में कल कथा वाचक मनु महाराज ने सत्य एवं असत्य की बात को श्रद्धालुओं को समझाया। उन्होंने कहा की भागवत पुराण एक ऐसी कथा है जो सुनने मात्र से ही मनुष्य का उद्धार हो जाता है।

इस अवसर पर भागवत कथा के मुख्य यजमान पंडित परमाशंकर मिश्र ने मनु महाराज का माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कथा कार्यक्रम के आयोजन एवं भारतीय किसान संघ के काशी प्रांत के मंत्री अनिल मिश्रा ने भागवत कथा में आए लोगों का स्वागत एवं धन्यवाद किया। इस अवसर पर कथा वाचक मनु महाराज ने कहा कि मनुष्य के जीवन में तरह-तरह की कठिनाइयां आती हैं लेकिन हमको इन कठिनाइयों को मन में भगवान को रखकर सामना करना चाहिए।

# गाजियाबाद में बरामद तस्करी कर लाये तोते

**गाजियाबाद (चेतना मंच)।** पूर्व केन्द्रीय मंत्री मेनका गांधी की संस्था पीपल फॉर एनिमल के अधिकारी सौरव द्वारा गाजियाबाद की वेव सिटी थाना क्षेत्र से करीब 200 प्रतिबंधित तोतों को बरामद किया गया है। पुलिस ने तोतों को बरामद करते हुए वन विभाग को सौंप दिया। जिन्हें सिटी फॉरेस्ट में छोड़ दिया गया।

गाजियाबाद में प्रतिबंधित तोते पकड़े जाने के बाद वन विभाग की टीम तोतों को गाजियाबाद के सिटी फॉरेस्ट लेकर पहुंची है जहां पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद द्वारा भेजे गए चिकित्सक के माध्यम से तोतों की जांच की गई है।

तोता स्वस्थ पाए गए हैं जिसके बाद वन विभाग की टीम द्वारा सिटी फॉरेस्ट गाजियाबाद में तोतों को रिलीज किया गया है।

इस संबंध में गाजियाबाद के थाना वेव सिटी में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। फॉरेस्ट के अधिकारियों का कहना है की तस्करी करने के लिए जयपुर तोतों को लेकर जाया जा रहा था। लेकिन पुलिस अभी इस पूरे मामले की जांच कर रही है पुलिस का कहना है कि आखिर तोता कहां से ले जा रहे थे और कहां इन्हें तस्करी करके भेजना था इसकी जानकारी की जा रही है।

## पृष्ठ एक के शेष....

**सपा नेताओं की....**

पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने, किसी भी जुलूस या प्रदर्शन पर रोक है। डीएम ने अब नया आदेश जारी कर बाहरी लोगों के संभल में प्रवेश पर रसेक 10 दिसंबर तक बढ़ा दी है।

सपा प्रतिनिधिमंडल में शामिल सपा नेताओं को प्रशासन द्वारा उनके घरों और गृह जनपदों में ही रोकने का प्रयास किया गया। उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे के लखनऊ स्थित आवास के बाहर पुलिस फोर्स तैनात है. संभल के जिलाधिकारी ने माता प्रसाद पांडे को जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 163 के तहत निषेधआज्ञा लागू होने का संदेश भेजा था और उनसे यहां नहीं आने का आग्रह किया था।

माता प्रसाद पांडे के घोषित कार्यक्रम के अनुसार पहले वह बरेली जाने वाले थे। बरेली में सपा नेताओं के साथ बैठक के बाद उनका संभल जाने का प्लान है।

वहीं, पुलिस फोर्स माता प्रसाद पांडे को संभल नहीं जाने देना चाहती।

सपा के 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव, सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, मुजफ्फरनगर के सांसद हरेंद्र मलिक, मुरादाबाद की सांसद रुचि वीरा, कैराना सांसद इकरा हसन, संभल सांसद जियाउर्रहमान बर्क और आंवला सांसद नीरज मौर्य, विधायक कमाल अख्तर, रविदास मेहरोत्रा, नवाब इकबाल महमूद और पिंकी सिंह यादव, सपा के संभल जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी, मुरादाबाद जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव और बरेली जिलाध्यक्ष शिवचरण कश्यप शामिल हैं।

**न्यायिक कार्य में बाधा....**

जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट संख्या - दो ने पत्र प्रेषित कर जिला जज को जानकारी दी। उनके अलावा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या पांच और अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-13 के द्वारा भी 27 नवंबर को पत्र भेजकर जिला जज को अवगत कराया गया कि अधिवक्ताओं का समूह नारेबाजी करते हुए न्यायालय कक्ष के सामने गैलरी में आया और न्यायालय कक्ष के दरवाजों को बाहर से बंद कर न्यायिक कार्य में बाधा पहुंचाई गई।

**होटल में फर्जी ....**

और मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि इसकी संपूर्ण औपचारिक जानकारी प्रेसवार्ता के दौरान दी जाएगी।

**वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन .....**

रेलवे पुलिस की टीम ने मिलकर बड़ी मुश्किल से कुछ अन्य मोटरसाइकिल को जलने से बचा लिया। इस दौरान प्रत्याशिदर्शी रेलवे कर्मचारियों ने बताया कि रात लगभग 10:30 बजे एक बार शॉर्ट सर्किट हुई थी, जिसे बनाने के लिए बिजली कर्मचारी आए भी थे, लेकिन फिर कुछ घंटे बाद दोबारा शॉर्ट सर्किट हो गई।

**दैनिक चेतना मंच**

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

**यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण**

YEIDA FUTURE IS HERE

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, ओमेगा-1, (पी-2), ग्रेटर नौएडा, Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट: www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांक: वाई.ई.ए./भूलेख/1017/2024 दिनांक: 27.11.2024

**सार्वजनिक सूचना**

निम्नलिखित भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा अपनी सहमति के आधार पर काश्तकारों से क्रय किया जाना प्रस्तावित है:-

**ग्राम चकजलालाबाद, रामपुर खादर, कुरैब व तकीपुर बांगर के सैक्टर 24ए व 22ई, सैक्टर 32 व 29 के अन्तर्गत आने वाले खसरा नम्बरान**

| क्र. सं. | सैक्टर/ ग्राम का नाम | खाता संख्या | खसरा संख्या | खसरे का कुल क्षेत्रफल (हे0 में) | खातेदार का नाम व पता | तहसील से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर काश्तकार का हिस्सा | काश्तकार का विक्रय हेतु क्षेत्रफल (हे0 में) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | रामपुर खादर (सैक्टर-24ए) | 14 | 33 | 2.2840 | सुरेन्द्र भाटी पुत्र देशराज सिंह निवासी ग्राम कादरपुर, जिला गौतमबुद्धनगर। | में से | 0.6344 |
| 2 | रामपुर खादर (सैक्टर-24ए) | 14 | 33 | 2.2840 | कर्मवीर पुत्र देशराज सिंह निवासी ग्राम कादरपुर, जिला गौतमबुद्धनगर | में से | 0.3814 |
| 3 | रामपुर खादर (सैक्टर-24ए) | 216 | 26 | 0.2970 | शेर सिंह पुत्र कालू राम निवासी ग्राम कादरपुर, जिला गौतमबुद्धनगर | सम्पूर्ण | 0.2970 |
| 4 | रामपुर खादर (सैक्टर-24ए) | 223 | 25 | 1.4400 | नीरज गिरी पुत्र किशन पाल निवासी ग्राम कादरपुर, जिला गौतमबुद्धनगर | में से | 0.3816 |
| 5 | रामपुर खादर (सैक्टर-24ए) | 223 | 25 | 1.4400 | बबलू पुत्र किशन पाल निवासी ग्राम कादरपुर, जिला गौतमबुद्धनगर | में से | 0.3816 |
| 6 | रामपुर खादर (सैक्टर-24ए) | 223 | 25 | 1.4400 | श्रीमती ऊषा देवी पत्नी किशन पाल निवासी ग्राम कादरपुर, जिला गौतमबुद्धनगर | में से | 0.3817 |
| 7 | तकीपुर बांगर (सैक्टर-24ए) | 98<br>99<br>100<br>97 | 244म<br>244म<br>244म<br>244म | 0.1500<br>0.1440<br>0.1500<br>0.1500 | धर्मेन्द्र पुत्र रामसरन सिंह निवासी ग्राम साकीपुर, तहसील-जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर | सम्पूर्ण | 0.1500<br>0.1440<br>0.1500<br>0.1500 |
| 8 | तकीपुर बांगर (सैक्टर-24ए) | 254 | 89/1 | 0.6530 | हुकमपाल सिंह पुत्र रामफल निवासी ग्राम, रौनीजा, तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर | सम्पूर्ण | 0.6530 |
| 9 | कुरैब (सैक्टर-32) | 234 | 268 | 0.5570 | समयदीन पुत्र नसरूद्दीन निवासी नगला हाण्डा, माजरा कुरैब, तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर | में से | 0.0103 |
| 10 | कुरैब (सैक्टर-32) | 78 | 270 | 2.5930 | समयदीन पुत्र नसरूद्दीन निवासी नगला हाण्डा, माजरा कुरैब, तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर | में से | 0.0506 |
| 11 | कुरैब (सैक्टर-32) | 78 | 270 | 2.5930 | अहमद अली पुत्र शमशुदीन निवासी नगला हाण्डा, माजरा कुरैब, तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर | में से | 0.0794 |

उपरोक्त भूमि क्रय किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में 15 दिन के अंदर अधोहस्ताक्षरी को अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

डिप्टी कलेक्टर

**महत्वपूर्ण सूचना:** यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लॉन के अतिरिक्त प्लॉटिंग/हाउसिंग/कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीदफरोख्त से पूर्णत: सचेत रहें तथा कॉलोनाइज़र के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

## खास खबर

### असद सरकार के खिलाफ विद्रोह

**दमिश्क** । लेबनान में हिजबुल्लाह की कमर टूटने के बाद अब ईरान को सीरिया में बड़ा झटका लगा है। इजरायल के अभियान के बाद सीरिया में ईरान समर्थित असद सरकार के खिलाफ विद्रोहियों ने बड़ा हमला कर दिया है। विभिन्न विद्रोही गुटों ने मिलकर सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा किया है। अलेप्पो पर 2016 से असद की सरकार और ईरान समर्थक मिलिशिया का नियंत्रण है। इतना ही नहीं विद्रोहियों ने सीरिया में वरिष्ठ ईरानी सैन्य सलाहकार, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के ब्रिगेडियर जनरल किउमार्श पोरहाशमी की अलेप्पो में हत्या कर दी है। सीरियाई विद्रोहियों का हमला असद सरकार के लिए भी आश्चर्यजनक है। 2020 में रूस और तुर्की की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम के बाद यह पहली महत्वपूर्ण झड़प है।

### चार आतंकवादियों को मार गिराया

**करांची**। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार को एक अभियान के दौरान चार आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर जिले के बाग इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान चलाया गया। इस अभियान में आतंकी नेता ह्यबटूरह्न समेत चार लोगों की मौत हो गई और तीन आतंकवादी घायल हो गए।

### ट्रक और स्कॉर्पियो भिड़े, एक की मौत

**अमेठी**। बीते रोज देर ट्रक और स्कॉर्पियो की भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि 6 अन्य लोग गंभीर रुप से घायल हैं। ये हादसा जिले के गौरीगंज थाना क्षेत्र में रायबरेली-सुलतानपुर मार्ग पर हुआ। पुलिस ने शुक्रवार को सुबह यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, करौदी कला थाना क्षेत्र से गौरीगंज के बिशुनदासपुर में बारात आई थी, जिसमें स्कॉर्पियो गाड़ी में सात लोग सवार होकर बृहस्पतिवार की देर रात करौंदी कला के लिए लौट रहे थे। गौरीगंज के भारतीय स्टेट बैंक के पास स्कॉर्पियो ट्रक से टकरा गई। हादसे में पप्पू कश्यप (40) की मौत हो गयी और अन्य छह लोग घायल हो गये। घायलों को जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है।

### देह व्यापार की आरोपी महिला के खिलाफ मामला दर्ज

**मुंबई**। जिले में पुलिस ने देह व्यापार में शामिल होने के आरोप में 55 वर्षीय महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है और एक अन्य महिला को उसके चंगुल से बचाया है। एक अधिकारी ने बताया कि भिवंडी पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार को हनुमान टेकड़ी इलाके में एक कमरे में छापा मारा, जहां से 22 वर्षीय नेपाली महिला को मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला नेपाल की रहने वाली है और वह युवती को वेश्यावृत्ति में धकेलने के लिए भारत लाई थी। बचाई गई युवती को मुंबई के बाहरी इलाके उल्हासनगर में महिला पुनर्वास गृह भेजा गया है।

# बस पलटने से 10 की मौत, 35 घायल

- मृतकों के आश्रितों को 10 लाख रुपये देने की घोषणा

एजेंसी

**मुंबई**। गोंदिया जिले के अजुर्नी तहसील के खजरी गांव के पास शुक्रवार दोपहर एक एसटी महामंडल की शिवशाही बस एक कार बचाने के चक्कर में पलट जाने से 10 लोगों की मौके पर मौत हो गई है। इस घटना में करीब 35 लोग घायल हैं और इन सभी को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रत्येक मृतक के परिजन को 10 लाख रुपये देने की घोषणा की है। शिंदे ने घायलों का सरकारी खर्च पर इलाज करवाए जाने का आदेश दिया है। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है,

इसलिए इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार एसटी महामंडल की शिवशाही बस आज नागपुर से गोंदिया जा रही थी। अचानक अजुर्नी तहसील के खजरी गांव के पास एक कार को बचाते समय बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही एसटी प्रशासन, स्थानीय पुलिस की टीम और राहत और बचाव दल तत्काल मौके पर पहुंचा और मौके पर राहत और बचाव कार्य शुरू किया है। पुलिस के अनुसार एसटी बस में से खबर लिखे जाने तक 10 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। जानकारी मिलते ही कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उक्त दुर्घटना के संबंध में स्थानीय प्रशासन से स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने घायलों को तत्काल और उचित इलाज देने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री शिंदे ने भी मृतकों के आश्रितों को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने का भी आदेश दिया है। भाजपा नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गोदिंया में शिवशाही बस दुर्घटना को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा है कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि गोंदिया जिले में सडक अजुर्नी के पास एक शिवशाही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई और कुछ यात्रियों की मौत हो गई। दिवंगतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हम उनके परिवार का दुख साझा करते हैं। इस घटना में घायल हुए लोगों का अगर किसी निजी अस्पताल में इलाज कराना भी पड़े तो उन्हें तुरंत ऐसा करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने लिखा कि गोंदिया के कलेक्टर से भी कहा है कि यदि आवश्यकता हो तो उन्हें नागपुर स्थानांतरित करने की व्यवस्था करें। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और राहत कार्य का समन्वय कर रहे हैं।

## पनवेल-कर्जत परियोजना का 67 फीसदी काम पूरा, मुंबई से जुड़ेगा रायगढ़

एजेंसी

**मुंबई**। मुंबई और आसपास के यात्रियों को अब और सुविधा मिलने वाली है। पनवेल-कर्जत उपनगरीय रेलवे कॉरिडोर, जो मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट का हिस्सा है, उसका काम पूरा होने की दिशा में है। करीब 2,782 करोड़ रुपए की लागत से बन रही इस परियोजना का अक्टूबर 2024 तक 67 फीसदी काम पूरा हो चुका है। पनवेल-कर्जत उपनगरीय रेलवे कॉरिडोर प्रॉजेक्ट को मुंबई रेलवे विकास निगम (एमआरवीसी) तैयार कर रहा है। इस कॉरिडोर से पनवेल और कर्जत के बीच बेहतर और तेज कनेक्टिविटी मिलेगी। परियोजना के लिए जरूरी 56.82 हेक्टेयर निजी भूमि और 4.4 हेक्टेयर सरकारी भूमि का अधिग्रहण पूरा हो चुका है। वन भूमि के लिए जरूरी अनुमति मिल चुकी है और बाकी प्रक्रिया चल

रही है। 20 लाख घन मीटर मिट्टी का भराव हो चुका है। तीनों सुरंगों की खुदाई का काम पूरा हो गया है और लाइनिंग का काम चल रहा है। 47 पुलों में से 35 का काम पूरा हो गया है। 4 रोब बन चुके हैं और मोहोपे और किरवाली जैसे अहम स्थानों पर काम तेज गति से चल रहा है। इस परियोजना का मकसद है नवी मुंबई के रायगढ़ जिले वाले क्षेत्र को कर्जत तक जोड़ना और एमएमआर का विस्तार करना है। इससे मुंबई लोकल को एंड टू एंड कनेक्टिविटी भी मिलेगी और पनवेल और कर्जत के बीच नए कॉरिडोर का विकास भी होगा।

## डिजिटल अरेस्ट स्कैम को लेकर सरकार ने कसा स्कैमर्स पर शिकंजा

एजेंसी

**नई दिल्ली**। देश में डिजिटल अरेस्ट के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं जिससे लेकर कई लोग इसका शिकार हो चुके हैं। स्कैम बढ़ने से सरकार भी चिंतित हैं अब उसने स्कैमर्स पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 6.69 लाख से ज्यादा सिम कार्ड और 1,32,000 आईएमईआई नंबर ब्लॉक कर दिए हैं। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री संजय कुमार ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि डिजिटल अरेस्ट और दूसरे साइबर अपराधों से निपटने के लिए तंत्र को मजबूत करते हुए केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं। गृह मंत्रालय ने सभी तरह के साइबर अपराधों से निपटने के लिए इंडियन साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर

(आई4सी) की स्थापना की है। फाइनेंशियल फ्रॉड की तत्काल रिपोर्टिंग और साइबर अपराधियों द्वारा धन की हेराफेरी को रोकने के लिए आई4सी के तहत सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम की शुरूआत 2021 में की गई थी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अब तक 9.94 लाख से ज्यादा शिकायतों में 3,431 करोड़ रुपए से ज्यादा की वित्तीय राशि बचाई गई है। उन्होंने कहा कि सरकार और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने फर्जी भारतीय नंबर से आने वाली अंतरराष्ट्रीय कॉलों की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने एक सिस्टम तैयार किया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में फर्जी डिजिटल अरेस्ट, फेडएक्स स्कैम, सरकारी और पुलिस अधिकारियों के रूप में कॉल आदि के मामलों में साइबर अपराधियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय नकली कॉल की गई हैं। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को इस तरह की आने वाली अंतरराष्ट्रीय नकली कॉलों को ब्लॉक करने के निर्देश भी जारी किए हैं। आई4सी में एक साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर (सीएफएमसी) स्थापित किया है, जहां प्रमुख बैंकों, वित्तीय मध्यस्थों, भुगतान एग्रीगेटर्स, टीएसपी, आईटी मध्यस्थों और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधि साइबर अपराध से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। बैंकों और वित्तीय संस्थानों के सहयोग से आई4सी ने साइबर अपराधियों की पहचान करने वालों की एक संदिग्ध रजिस्ट्री भी शुरू की है।

### स्कूल को मिली बम से उड़ाने की धमकी

**नई दिल्ली** । दिल्ली के स्कूल को मेल पर फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। रोहिणी स्थित वेंकेटेश्वर ग्लोबल स्कूल के पास शुक्रवार को एक मेल आया जिसमें स्कूल को उड़ाने की धमकी दी गई है। स्कूल प्रशासन ने धमकी की जानकारी देकर बताया कि हमें धमकी भरा ईमेल मिला है, इसकारण छात्रों को जल्दी घर भेजा जा रहा है। स्कूल प्रशासन ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। किसी को भी घबराने की कोई जरूरत नहीं है। स्कूल प्रशासन ने हालत को कंट्रोल बच्चों के माता-पिता को सूचना दी। स्कूल ने लिखा कि प्रिय अभिभावकों, स्कूल को एक आपातकालीन ईमेल (धमकी भरा ईमेल) मिला है, इसकारण छात्रों को जल्दी घर भेजा जा रहा है। बस और स्वयं घर जाने वाले छात्रों को 11 बजे स्कूल छोड़ने की अनुमति होगी।

## दो लाख का इनामी गैंगस्टर सरोज राय पुलिस एनकाउंटर में ढेर

एजेंसी

**गुरुग्राम**। हरियाणा के गुरुग्राम में शुक्रवार तड़के गुरुग्राम और बिहार पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन में बिहार के कुख्यात इनामी गैंगस्टर सरोज राय को एनकाउंटर में मार गिराया। इस कार्रवाई में बिहार पुलिस का एक जवान भी घायल हुआ है। मारे गए बदमाश पर बिहार पुलिस ने दो लाख रुपए का इनाम रखा था। जानकारी के मुताबिक गुरुग्राम और बिहार पुलिस के साथ एनकाउंटर में मारे गए 26 वर्षीय गैंगस्टर सरोज राय पर बिहार में 30 से ज्यादा मामले दर्ज थे। सरोज गुरुग्राम में भी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। हाल ही में उसने बिहार के सीतामढ़ी से जदयू विधायक को धमकी देते हुए रंगदारी मांगी थी। उसके बाद से ही बिहार पुलिस की उसके पीछे लगी थी। गुरुग्राम के खेड़की दौला थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह 4 बजे हुए एनकाउंटर में गैंगस्टर सरोज राय का साथी पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया। एसीपी क्राइम ने बताया कि गुरुग्राम और बिहार पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में बिहार के कुख्यात गैंगस्टर सरोज राय की एनकाउंटर में मौत हो गई। बिहार पुलिस की तरफ से गुरुग्राम पुलिस को सूचना मिली थी कि बिहार का कुख्यात बदमाश सरोज राय गुरुग्राम में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने वाला है और मेवात से गुरुग्राम में एंट्री करने वाला है। इसके बाद गुरुग्राम पुलिस ने नाकेबंदी कर दी। गुरुग्राम के बार गुर्जर चौकी के पास सरोज राय ने पुलिस को चकमा देने की कोशिश की

## रुस ने आधी रात को यूक्रेन पर दागे क्रूज मिसाइल, अमेरिका ने की निंदा

एजेंसी

**कीव**। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन बड़ा हमला किया है। इससे पूरे देश में बिजली गुल हो गई। पुतिन ने कहा कि मॉस्को ने यूक्रेन द्वारा रूसी क्षेत्र पर अमेरिकी मध्यम दूरी की मिसाइलों से किए गए हमलों का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि रूस के भविष्य के लक्ष्यों में कीव में निर्णय लेने वाले केंद्र भी शामिल हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उसने क्लस्टर हथियारों के साथ क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया है बाद में अपने वीडियो संबोधन में जेलेंस्की ने कहा कि वह नाटो महासचिव, ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर और जर्मन चांसलर ओलाफ समेत पश्चिमी नेताओं से बात कर रहे थे, ताकि स्थिति को असहनीय बनाने और युद्ध को लम्बा खींचने के रूस के प्रयास का जवाब दिया जा सके। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी स्थिति यूक्रेन और हमारे भागीदारों की स्थिति को मजबूत करें। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूसी हमले की निंदा करते हुए इसे घृणास्पद बताया और कहा कि यह रूसी आक्रमण के खिलाफ यूक्रेनी लोगों की रक्षा करने की तत्काल जरुरत और महत्व की एक और याद दिलाता है।

### फेफड़ों के कैंसर की जांच का कार्यक्रम शुरू

**नई दिल्ली**। फेफड़ों के कैंसर का जल्द पता लगाने के उद्देश्य से भारत का पहला ह्यलंगलाइफ स्क्रीनिंग कार्यक्रम दिल्ली के एक निजी अस्पताल से शुरू किया गया है। अपोलो कैंसर सेंटर (एसीसी) से यह कार्यक्रम शुरू किया गया। एसीसी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, देश में सभी प्रकार के कैंसरों के कुल मामलों में से 5.9 प्रतिशत मामले फेफड़ों के कैंसर के होते हैं तथा कैंसर के कारण होने वाली मौत के मामले में इसकी हिस्सेदारी 8.1 प्रतिशत है। बयान में कहा गया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जीवित रहने की दर और उपचार के परिणामों में सुधार लाना है।

## ट्रेन से 21 दिन में 13 देश घूमने का लीजिए लुत्फ

एजेंसी

**लंदन** । आप ट्रेन से 21 दिन में एक-दो नहीं पूरे, 13 देश घूमने का लुत्फ उठा सकते हैं। यह यात्रा 18,755 किलोमीटर की दूरी तय करती हैं। यह दुनिया की सबसे लंबी ट्रेन यात्रा पुर्तगाल के अल्गार्व क्षेत्र से शुरू होकर सिंगापुर तक जाती है। अगर मौसम या अन्य कारणों से बाधा आती है तो इसमें और समय भी लग सकता है। यह ट्रेन 13 देशों से होकर गुजरती है, जिसमें स्पेन, फ्रांस, रूस, चीन, वियतनाम, थाईलैंड और सिंगापुर जैसे देश शामिल हैं। इस सफर के दौरान ट्रेन पेरिस, मॉस्को, बीजिंग और बैंकॉक जैसे प्रमुख शहरों से होकर गुजरती है। इस ट्रेन यात्रा की शुरूआत पुर्तगाल के लागोस शहर से होती है और इसके

रास्ते में केवल 11 प्रमुख पड़ाव हैं। ट्रेन जब किसी शहर में रुकती है, तो यात्री वहां उतरकर स्थानीय संस्कृति, खानपान और प्राकृतिक दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। यात्रियों को ठहरने के लिए भी पर्याप्त समय दिया जाता है, जिससे यह सफर और भी आनंददायक बन जाता है। इस यात्रा का टिकट लगभग 1,350 अमेरिकी डॉलर यानी 1,14,000 रुपये का है। इस टिकट में यात्रा के दौरान खाने, पीने और आरामदायक रहने की पूरी व्यवस्था शामिल है। हवाई यात्रा की तुलना में यह लंबा समय जरूर लेता है, लेकिन यह एक यादगार अनुभव प्रदान करता है। ट्रेन यात्रा के शौकीनों के लिए यह सफर किसी सपने से कम नहीं है। इस यात्रा को संभव बनाने के लिए विभिन्न रेलवे कंपनियों और संगठनों ने मिलकर काम किया। हाल ही में लाओस और चीन के बीच एक नई रेलवे लाइन शुरू हुई, जिससे यह यात्रा मुमकिन हो पाई। इस नई लाइन ने चीन के कुनमिंग शहर को लाओस की राजधानी वियनतियाने से जोड़ा है, जिससे यूरोप और एशिया के बीच ट्रेन संपर्क मजबूत हुआ है। इस अनूठी यात्रा ने ट्रेन के रोमांच और संभावनाओं को नए आयाम दिए हैं।

## अलंकार प्रोजेक्ट योजना ऐडेड कालेजों के जीर्ण भवन निर्माण में सहायक होगी : विशाल कुमार

एजेंसी

**मिजार्पुर** । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 75 वर्ष पुराने विद्यालयो के जीर्ण भवन को पुनर्निर्माण कराने के लिए वृहद महत्वाकांक्षी परियोजना अलंकार प्रोजेक्ट योजना को तैयार किया है। उससे सम्बन्धित कालेजों को जीर्ण भवन को निर्माण करायें जाने के लिए यह योजना का शुभारंभ 2023 से किया गया है।

उक्त परियोजना के लिए जिलाधिकारी ने जिले के कालेजों के प्रवंधको एवं प्रधानाचार्यो की एक संयुक्त बैठक जिलाधिकारी सभाकक्ष में आयोजित किया गया। उक्त बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकारी जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार आई ए एस ने प्रवंधको एवं प्रधानाचार्यो को शासन के इस ड्रीम प्रोजेक्ट योजना के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि जिले के ऐसे विद्यालय जिनकी मान्यता वर्ष 2023 में 75 वर्ष पुराने हैं अथवा दो तीन वर्ष में 75 वर्ष होने वाले हैं और उनकी विल्डिंग जीर्ण अवस्था में है तो तो उनको अलंकार प्रोजेक्ट योजना के लिए आने लाईन आवेदन पत्र भरना होगा उनके औपचारिकता पूरी होने पर उन्हें इस शर्त पर 25 प्रतिशत सम्वन्धित कालेजों के प्रवंध समितियों को देय होगा जिसके लिए वह दान अनुदान से उक्त धनराशि प्राप्त कर सकती है, ऐसे विद्यालयों को को अलंकार

प्रोजेक्ट योजना में चयनित किया जायेगा। उन्होंने ने कहा कि उसकी मानिटरिंग के लिए जिलाधिकारी के अध्यक्षता में एक समिति गठित की जायेगी जिसमें लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर जिला विद्यालय निरीक्षक आदि की टीम गठित होगी। उसी तरह तहसील स्तरीय समिति उपजिलाधिकारी तहसीलदार एवं एक इंजीनियर आदि के देखरेख में कमेटी गठित होगी जो उक्त प्रोजेक्ट की निगरानी कर रिपोर्ट जिला कमेटी को सौंपेगी।

जिला विद्यालय निरीक्षक राज कुमार दीक्षित ने कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी परियोजना अलंकार प्रोजेक्ट योजना में उक्त निर्माण के लिए आरम्भिक मानक कमसे कम 300 छात्र से 500 छात्र संख्या वाले कालेज को 25 लाख रुपए 501 से 1000 छात्र संख्या वाले विद्यालय को 50 लाख रुपए,1 हजार 1 से 15 सौ छात्रों की संख्या वाले कालेज को 75 लाख रुपए, जबकि 1501 छात्र संख्या से 2000 तक छात्र संख्या वाले कालेज को एक करोड़ रुपए और 2 हजार 1 छात्र संख्या से अधिक छात्र संख्या वाले कालेजो को 1 करोड़ 25 लाख रुपए तक उक्त परियोजना में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि कार्यदाई संस्था का चयन प्रवंध समिति स्वयं हो सकती है अथवा निर्माण इकाई को निर्धारित कर सकती हैं।

उक्त अवसर पर उतर प्रदेश विद्यालय प्रवंधक महासभा रजि के जिला अध्यक्ष एवं बापू उपरौध इण्टर मीडिएट कालेज लालगंज के प्रवंधक बतौर उपस्थित शशि भूषण दूबे कंचनीय ने सुझाव दिया है कि संस्कृत विद्यालयो की भांति हमारे ऐडेड विद्यालयो से भी 10 प्रतिशत संचित धन कराया जाय। और कार्यदाई संस्था कालेज प्रवंध समितियों को भी बनाया जाये। जिससे विल्डिंग निर्माण की गुणवत्ता कारगर बन सके।

उक्त अवसर पर बापू उपरौध इण्टर मीडिएट कालेज लालगंज के प्रधानाचार्य डा धर्मजीत सिंह ने भी सुझाव दिया कि हमारा विद्यालय अभी उस शर्त के अनुरूप 75 वर्ष की जगह 72 वर्ष मान्यता अवधि से हो रही है उनके सवाल के जबाब में कार्यकारी जिलाधिकारी श्री विशाल कुमार ने कहा कि आप भी आनलाइन आवेदन कर दीजिए निकट भविष्य में अथवा शासन के क्राईटेरिया के आधार पर आपके कालेज को प्राथमिकता दिया जा सकता है, उन्होंने कहा कि इस योजना में स्वीकृत कालेज के धनराशि के ड्राइंग यथार्टी जिला विद्यालय निरीक्षक, सम्वन्धित कालेजों के प्रवंधक एवं वित्त एवं लेखाधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से धन विड्रॉल किये जाने का प्रावधान है। बसंत विद्यालय इण्टर कालेज मिजार्पुर के प्रधानाचार्य श्री चतुवेर्दी ने विस्तार पूर्वक अपने द्वारा आनलाइन आवेदन को सीडीओ के समक्ष प्रस्तुत किया। उधर नगरपालिका इण्टर मीडिएट कालेज अहरौरा के प्रधानाचार्य ने भी अपने समस्या एवं आवेदन पर प्रकाश डाला। जबकि जनता इण्टर मीडिएट कालेज बरेवा के प्रधानाचार्य डा संतोष कुमार सिंह ने अलंकार प्रोजेक्ट योजना के कुछ कठिनाइयो पर सीडीओ का ध्यान आकर्षित किया जिस पर वह डीआईओएस को संदर्भित किया।

## बीएन मंडल विश्वविद्यालय में मोहम्मद फारूक का सफल ओपन वाइवा

एजेंसी

**कोलकाता**। बीएन मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा का उर्दू विभाग अपनी पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ शोध के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहा है और यह भारत के पूर्वी राज्यों में एक प्रमुख स्थान रखता है। वर्तमान में विभागाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद एहसान और पूर्व विभागाध्यक्षों की उत्कृष्ट कार्यशैली के परिणामस्वरूप इस विभाग से कई शोधार्थियों ने उर्दू साहित्य के ज्वलंत और गैर-पारंपरिक विषयों पर शोध किया है, जिससे उर्दू साहित्य के खजाने में नए रत्न जोड़े गए हैं। विभाग में शोध कार्य के इस निरंतर वृद्धि को देखते हुए, विभाग द्वारा प्रत्येक माह साहित्यिक और शोध-संबंधी सेमिनार आयोजित किए जाते हैं, जो उर्दू साहित्य में नैतिकता और मूल्य निर्धारण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसी संदर्भ में नवंबर 2024 में मोहम्मद फारूक के शोध पत्र ﹟प्रोफेसर मनाजिर आशिक हरगानवी की तंज और मजाह निगारी﹟ पर ओपन वाइवा का आयोजन किया गया। इस ओपन वाइवा में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रोफेसर, विश्वविद्यालय से जुड़े कॉलेजों के शिक्षक, और विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में मैनिटीज के डीन प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार मलिक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से प्रसिद्ध लेखक और शोधकर्ता प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद अली जौहर बाहरी

परीक्षक के रूप में शामिल हुए। अंदरूनी परीक्षक के तौर पर डॉ. मोहम्मद आबिद उस्मानी ने वाइवा का संचालन किया। इस अवसर पर डॉ. अमिताज अन्जुम, डॉ. मोहम्मद अब्दुल फजल, डॉ. ओंकारनाथ मिश्रा, डॉ. साजिद, डॉ. निजामुद्दीन अहमद, प्रोफेसर डॉ. सी. पी. सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. यासमीन राशिदी, डॉ. मोहम्मद शहरयार, डॉ. अमरिंदर, डॉ. शिफालिका शेखर और पीजी थर्ड सेमेस्टर के छात्र अमिताज अहमद भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मोहम्मद फारूक ने अपने शोध से संबंधित सवालों के संतोषजनक उत्तर दिए और विशेष रूप से डॉ. मोहम्मद रहमतुल्लाह का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग के बिना इस ओपन वाइवा का आयोजन संभव नहीं हो पाता। उन्होंने शोध कार्य के दौरान आई कठिनाइयों और अड़चनों का भी उल्लेख किया और उन सभी का धन्यवाद किया जिन्होंने इस शोध की राह को आसान बनाने में उनकी मदद की। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. मोहम्मद एहसान ने बाहरी परीक्षक प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद अली जौहर की जीवित और साहित्यिक सेवाओं का विस्तृत उल्लेख किया। प्रोफेसर जौहर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर और उर्दू साहित्य के एक प्रसिद्ध शोधकर्ता और आलोचक हैं। वे उर्दू विभाग के पूर्व अध्यक्ष और सालाना पत्रिका ﹟रफ्तार﹟ के संपादक रहे हैं। उनके पास 30 वर्षों से अधिक का शैक्षिक और साहित्यिक अनुभव है। उनका प्रमुख शोध कार्य ﹟लखनऊ का साहित्यिक वातावरणः बीसवीं सदी के पहले भाग तक﹟ है, जिसमें उन्होंने लिखनवी साहित्य के साहित्यिक और भाषाई शैली, राजनीतिक प्रभाव और समकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियों का विस्तार से विश्लेषण किया। प्रोफेसर जौहर की अधीन 15 से अधिक पीएचडी शोध पत्र पूर्ण हुए हैं, और उनकी शिक्षण व शोध कार्य ने उन्हें उर्दू साहित्य के प्रमुख आलोचक और शोधकर्ता के रूप में स्थापित किया है। उनका योगदान उर्दू साहित्य के ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भ को समझने में अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

## विधानसभा चुनाव में हारे प्रत्याशी एजाज खान की पत्नी गिरफ्तार

एजेंसी

**मुंबई**। ड्रग मामले को लेकर अक्सर विवादों में रहने वाले अभिनेता एजाज खान एक बार फिर खबरों में हैं। उन्होंने हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव भी लड़ा था। लेकिन अब चौंकाने वाली बात सामने आई है कि एजाज खान की पत्नी को मुंबई पुलिस ने ड्रग मामले में गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार एजाज खान की पत्नी फेलॉन गुलिवाला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एजाज को एक महीने पहले उनके अंधेरी कार्यालय में एक कर्मचारी के नाम पर एक कूरियर में ड्रग्स पाए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। अब पत्नी फेलॉन की गिरफ्तारी से हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक

कस्टम विभाग ने एजाज की पत्नी फेलॉन के घर पर छापा मारा और ड्रग्स बरामद किया। फेलॉन के घर से कई तरह की ड्रग्स जब्त की गई हैं। सूत्रों के मुताबिक 8 अक्टूबर को फेलॉन का नाम ड्रग मामले में सामने आया था। जांच के बाद पुलिस के हाथ सबूत भी लगे। कस्टम अधिकारियों ने एजाज और फेलन के घर पर छापेमारी की। इस छापेमारी में 136 ग्राम चरस मिली है। साथ ही 33 ग्राम एमडी ड्रग्स के खाली पैकेट भी जब्त किए गए हैं।

## खास खबर

### जयशंकर भी हैं विराट के प्रशंसक

नई दिल्ली। विदेश विदेश मंत्री एस जयशंकर भी अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के प्रशंसक हैं। जयशंकर ने दिग्गज क्रिकेटर मोहिंदर अमरनाथ की आत्मकथा फियरलेस का विमोचन करने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि मैं जिस क्रिकेटर का खेल देखना पसंद करता हूं वह विराट हैं। जिस जूनुन के साथ वह खेलते हैं और प्रदर्शन करते हैं वह शानदार है। मुझे लगता है कि युवाओं को उनसे बहुत कुछ सीखना चाहिए ऑलराउंडर अमरनाथ ने साल 1983 में भारत को विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। जयशंकर ने कहा, ह्य मेरे लिए पूरी दुनिया मेरे पीछे आने वाले तेज गेंदबाजों का एक समूह है। मैं अपने साथियों को भी यही सलाह देता कि जल्दी आगे बढ़ो, देर से खेलो, अच्छी तरह से तैयारी करो, उन्हें समझो और फिर खेलो ह्ल साथ ही साथ कहा कि जैसा अमरनाथ ने पाकिस्तान और 1982-83 के दौरे के बारे में कहा है। जयशंकर ने कहा कि आपने कहा कि आपने उन्हें अच्छे तरीके से खेला क्योंकि पारंपरिक स्थिति में आप पाकिस्तान के सामने खुलकर खेलते हैं

### पुणे में मैच के दौरान हुई क्रिकेटर की मौत

**नई दिल्ली ।** क्रिकेट मैच के दौरान एक और क्रिकेटर की मौत का मामला सामने आया है। पुणे में बुधवार रात खेले गए मैच में 35 साल के इमरान पटेल की सीने में दर्द उठने के बाद मौत हो गई। लीग मैच में पटेल पारी की शुरूआत कर रहे थे। कुछ ओवर खेलने के बाद उन्होंने अंपायर से सीने में दर्द की शिकायत की। इसके बाद वह पवेलियन की ओर जाने लगे पर बीच में ही मैदान में गिर गये। पटेल को तत्काल अस्पताल ले जाया गया पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं क अन्य क्रिकेटर नासिर खान ने कहा कि इमरान पटेल को कोई बिमारी नहीं थी पर उनकी मौत से स्तब्ध हैं। मृत क्रिकेटर के परिवार में पत्नी और तीन बेटियां हैं। उनकी सबसे छोटी बेटी केवल 4 महीने की है। पटेल रिलय एस्टेट का कारोबार करते हैं। इमरान की मौत ठीक उसी तरह से हुई जिस तरह से हबीब शेख ने कुछ समय पहले मैच खेलते हुए दम तोड़ दिया था।

### अक्षर हैं कप्तानी के प्रबल दावेदार : पार्थ जिंदल

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएएल) 2025 सत्र के लिए मेगा नीलामी समाप्त होने के बाद अब ये सवाल उठ रहे हैं कि दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी किसको मिलेगी। पिछले सत्र में टीम के कप्तान रहे ऋषभ पंत अब उसके साथ नहीं है। इसी को लेकर टीम के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने कहा है कि अक्षर पटेल कप्तान पद के लिए प्रबल दावेदार हैं। जिंदल ने कहा कि अक्षर एक खुशमिजाज व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं और टीम की संस्कृति को जानते हैं और इस समय टी20 क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर हैं। वह लंबे समय से फ्रैंचाइजी के साथ बने हुए हैं और उसके लिए काफी फायदेमंद साबित हुए हैं। जब भी ऋषभ उपलब्ध नहीं थे, जब भी ऋषभ चोटिल हुए, अक्षर ने कदम बढ़ाया और बड़ी भूमिका निभाई।

# भारत ने जापान को 3-2 से हराया

एजेंसी

**मस्कट।** भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने गुरुवार रात मस्कट, ओमान में जापान के खिलाफ अपने दूसरे पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 मैच में 3-2 से कड़ी जीत दर्ज की। थोकचोम किंगसन सिंह (12') ने भारत के लिए खाता खोला, लेकिन जापान के नियो सातो (15', 38') ने जल्द ही गोल कर-के बराबरी हासिल कर ली। दूसरे हाफ में रोहित (36') ने भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन नियो सातो ने फिर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। अरिजीत सिंह हुंडल (39') ने तीसरे क्वार्टर के अंत में फिर से भारत के लिए बढ़त हासिल की और भारत ने एक गोल की बढ़त को बरकरार रखते हुए अपनी जीत सुनिश्चित की। दोनों टीमें शुरूआती सीटी से ही क्षेत्र के लिए एक दूसरे से भिड़ती रहीं, जिसके

पुरुष जूनियर एशिया कप

कारण खेल के तीन मिनट बाद जापान को पेनल्टी कॉर्नर मिला, हालांकि विक्रमजीत सिंह सतर्क रहे और अपने गोल पर किसी भी तरह के खतरे को टाल दिया। जापान द्वारा उच्च दबाव का इस्तेमाल करने के बावजूद, भारत ने चतुर हवाई गेंदों और शानदार कौशल के साथ इसे कुशलता से पार कर लिया। दोनों टीमों ने सार्थक कब्जे के लिए संघर्ष किया, और दिलराज सिंह ने पहले क्वार्टर में तीन मिनट शेष रहते भारत के लिए पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, जिसे थोकचोम किंगसन सिंह ने गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिला दी। हालांकि, पहले क्वार्टर के अंतिम मिनट में जापान ने पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया और नियो सातो ने भारतीय रक्षा को पार करते हुए ड्रैग फ्लिक के साथ बराबरी हासिल की। दूसरे क्वार्टर की शुरूआत में, भारत ने मनमीत सिंह के साथ दो मिनट के भीतर दो बार गोलकीपर को परखने के साथ बढ़त हासिल करने का प्रयास किया, हालांकि, किशो कुरोदा दोनों मौकों पर गोल बचाने में कामयाब रहे। दोनों टीमों ने एक दूसरे पर वार किया लेकिन कोई स्पष्ट मौका नहीं मिला जब तक कि क्वार्टर में छह मिनट शेष रहते जापान को पेनल्टी कॉर्नर नहीं मिला। भारत के पहले रशर रोहित ने जापान को इस अवसर का फायदा न उठाने देने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी। क्वार्टर में दो मिनट शेष रहते जापानी फॉरवर्ड ने दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए। हालांकि, भारत ने हार नहीं मानी और अपने पेनल्टी कॉर्नर से जवाब दिया लेकिन जापान ने बेहतरीन बचाव किया, जिससे पहला हाफ 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। तीसरे क्वार्टर की शुरूआत भी कुछ इसी तरह हुई और जापान ने चार मिनट के आसपास दो पेनल्टी कॉर्नर बनाए। हालांकि, उप कप्तान रोहित और बिक्रमजीत सिंह ने जापान के प्रयासों को विफल कर दिया और भारत ने आगे बढ़कर पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया।

## श्रीलंका के खिलाफ चल रहे टेस्ट सीरीज से बाहर हुए वियान मुल्डर

एजेंसी

**नई दिल्ली।** दक्षिण अफ्रीका की टीम डरबन में श्रीलंका के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट मैच के बाकी बचे समय के साथ-साथ गेकेबरहा में होने वाले अगले मैच में भी वियान मुल्डर के बिना खेलेगी, क्योंकि इस ऑलराउंडर के दाहिने हाथ की मध्यमा अंगुली में फ्रैक्चर हो गया है।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने 5 दिसंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके को मुल्डर की जगह टीम में शामिल किया है। 24 वर्षीय इस खिलाड़ी ने पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। डरबन में पहले टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते समय लाहिरू कुमारा की 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आई गेंद से मुल्डर को हाथ में चोट लग गई थी। मुल्डर को काफी दर्द हो रहा था

और उन्हें फिर से बल्लेबाजी करने में कुछ समय लगा। लेकिन उन्होंने दर्द के कारण मैदान से बाहर जाने से पहले सिर्फ दो और गेंदों का सामना किया।

उसी सत्र में, जब दक्षिण अफ्रीका के 145 रन पर नौ विकेट गिर चुके थे, तब वे फिर से बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने और कागिसो रबाडा ने अंतिम विकेट के लिए 26 रन जोड़े, जिसमें मुल्डर ने धनंजय डी सिल्वा की गेंद पर छक्का भी लगाया। लंच ब्रेक के दौरान लिए गए एक्स-रे से पता चला कि चोट कितनी गंभीर है, जिसके कारण अब वे आगे नहीं खेल पाएंगे।

## झारखंड को मिली एसजीएफआई राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की मेजबान

एजेंसी

**रांची।** झारखंड को जनवरी, 2025 में चार राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिस्पधाओं के आयोजन की मेजबानी मिल गयी है। जनवरी, 2025 में यह प्रतियोगिताएं रांची के खेलगांव स्थित मेगा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित की जाएंगी। यह जानकारी शुक्रवार को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से दी गई। परिषद की ओर से बताया गया कि राज्य को एसजीएफआई की जिन प्रतियोगिताओं की मेजबानी मिली है उनमें अंडर 19 और अंडर 14 बालक-बालिका वर्ग एथलेटिक्स, अंडर 19 बालक-बालिका वर्ग टेनिस, अंडर 14,17,19 बालक-बालिका वर्ग ट्रैक साइकिलिंग और अंडर 19 बालक-बालिका वर्ग हॉकी प्रतियोगिता शामिल है। अंडर 19 एथलेटिक्स का आयोजन 5 जनवरी से 8 जनवरी तक होगा। अंडर 14 एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 11 जनवरी से 14 जनवरी तक होगा। टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन 17 जनवरी से 19 जनवरी तक होगा। ट्रैक साइकिलिंग का आयोजन 17 जनवरी से 20 जनवरी तक होगा। हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 23 जनवरी से 27 जनवरी तक होगा। उक्त प्रतियोगिताओ में देश के विभिन्न राज्यों एवं संघों की 45 टीमें भाग लेंगी।एसजीएफआई राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता की मेजबानी को लेकर राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। पूर्व में एसजीएफआई की कुछ प्रतियोगिताएं नवंबर और दिसंबर 2024 में आयोजित की जानी थी। झारखंड में विधानसभा चुनाव को देखते हुए एसजीएफआई की प्रतियोगिताओ को स्थगित कर दिया गया था। राज्य में लागू आदर्श आचार संहिता को देखते हुए झारखंड को मिली मेजबानी स्थगित करने का फैसला लिया गया था।

## विराट का दिन रात के मैचों में 46.16 रहा है बल्लेबाजी औसत

एजेंसी

**एडीलेड ।** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 6 दिसंबर से एडीलेड में दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच खेला जाएगा। गुलाबी गेंद से खेला जाने वाला ये मैच दिन-रात का होगा। इस मैच से पहले ही विराट के शानदार शतक से साफ है कि वह फार्म में आ गये हैं। विराट कोहली ने एडिलेड में गुलाबी गेंद से पहले भी एक टेस्ट मैच खेले था जिसमें उन्होंने पहली पारी में 74 रन बनाए हैं जबकि दूसरी पारी में 4 रन बनाए। दिन-रात के चार टेस्ट मैचों में कोहली के नाम कुल 277 रन हैं जिसमें उनकी बल्लेबाजी औसत

46.16 रहा है। विराट ने बांग्लादेश के खिलाफ साल 2019 में खेले गए दिन-रात के टेस्ट मैच में 136 रन की पारी खेली थी। यह गुलाबी गेंद से हुआ टेस्ट मैच कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला गया था। भारत ने इस टेस्ट को पारी के अंतर से जीता था। इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच में कोहली ने 27 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में उनकी बल्लेबाजी नहीं आयी। वहीं बैंगलोर में श्रीलंका के खिलाफ खेले दिन-रात के टेस्ट मैच में विराट ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में 23 रन बनाये थे जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 13 रन बनाए। विराट पर्थ वाली लय को एडिलेड में भी बनाये रखना चाहेंगे। उन्होंने टेस्ट करियर का 30वां शतक लगाया जबकि अंतरराष्ट्रीय करियर का ये 81 वां शतक था।

## महिला प्रीमियर लीग के लिए 15 दिसंबर को होगी छोटी नीलामी

एजेंसी

**मुंबई ।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) के अनुसार महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 सत्र के लिए छोटी नीलामी 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। इसमें टीम बनाने के लिए सभी पांचों फ्रैंचाइजी के पास 15 करोड़ रुपए का बजट रहेगा। छोटी नीलामी में उतरने वाली दिग्गज विदेशी खिलाड़ियों में इंग्लैंड की कप्तान हेदर नाइट, न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज लिया ताहुहु, वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर ड्रिएंड्रा डॉटिन जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं भारतीय खिलाड़ियों में स्नेह राणा, लेग स्पिनर पूनम यादव और बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति रहेंगी। पिछले दो सत्र से दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी मेग लैनिंग के पास है पर इनकी टीम के पास सबसे कम 2.5 करोड़ का बजट है। वहीं गुजरात जायंट्स ने सबसे अधिक सात खिलाड़ी बाहर किये हैं ऐसे में उसके पास सबसे अधिक 4.4 करोड़ रुपए बचे हैं। इसलिए वह कई खिलाड़ी खरीद सकती है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पास स्मृति मांधना और सोफी डिवाइन जैसी खिलाड़ी हैं। आरसीबी के पास 3.25 करोड़ का पर्स है। नवंबर की शुरूआत में प्री-सीजन ट्रेड विंडो के जरिये डैनी व्याट ही एक मात्र खिलाड़ी रही जो ट्रांसफर हुई। आरसीबी ने उनको यूपी वारियर्स से लिया। वह पिछले सत्र में यूपी वारियर्स में कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पायी थी। डब्ल्यूपीएल का तीसरा सत्र फरवरी-मार्च 2025 में खेला जाएगा।

## न्यूजीलैंड के फिलिप्स ने एक हाथ से पकड़ा कैच

**क्राइस्टचर्च ।** न्यूजीलैंड के क्रिकेटर ग्लेन फिलिप्स ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन एक शानदार पकड़ा। फिलिप्स ने इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप को कैच एक हाथ से पकड़कर उनकी 77 रनों की पारी का अंत कर दिया। फिलिप्स ने ये कैच एक ही हाथ से पकड़ लिया। इंग्लैंड की पारी का 53वां ओवर टिम साउदी ने किया। इस ओवर की तीसरी गेंद पर फिलिप्स ने गली की ओर शॉट खेला। उस जगह पर फिलिप्स फिल्डिंग कर रहे थे। उन्होंने दायीं ओर हवा में छलांग लगाकर एक हाथ से कैच पकड़ लिया। फिलिप्स के इस कैच को देखकर सभी हैरान रह गये। ओली जब आउट हुए उस समय वह 98 गेंदों पर 77 रन बनाकर खेल रहे थे। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में 8 चौके लगाये।

## पिछली हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी टीम इंडिया

एजेंसी

**मुम्बई ।** भारतीय टीम 6 दिसंबर से एडीलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच खेलेगी। गुलाबी गेंद से खेले जाने वाला यह मैच दिन-रात वाला होगा। भारतीय टीम ने अब तक गुलाबी गेंद से चार टेस्ट खेले हैं जिसमें से उसे 3 में जीत मिली है जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को जिस एक दिन-रात वाले टेस्ट में हार मिली है वो ऑस्ट्रेलिया में ही एडिलेड में खेला गया था। वहीं इस बार भी दूसरा टेस्ट इसी स्थल पर खेला जाएगा। ऐसे में इस बार भारतीय टीम इस बार उस हार का बदला लेना चाहेगी। भारतीय टीम ने अपना पहला दिन-रात टेस्ट मैच साल 2019 में खेला थ। कोलकाता के ईडन गार्डंस स्टेडियम में खेले गए

इस दिन-रात के टेस्ट में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को एक पारी और 46 रन से हराया था। इस मुकाबले में भारतीय टीम के अुनभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने शतकीय पारी खेलकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी जबकि तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने कुल 9 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम ने अपना दूसरा दिन-रात का टेस्ट साल 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। एडिलेड में 17 दिसंबर से खेले गए इस टेस्ट मैच में भारत को 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं साल 2021 में टीम इंडिया ने अपना तीसरा दिन-रात का टेस्ट खेला। इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस टेस्ट मैच में भारत ने 10 विकेट से जीत दर्ज की थी। इंग्लैंड के खिलाफ इस मैच में अक्षर पटेल ने 11 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं भारतीय टीम ने अपना चौथा डे नाइट टेस्ट मैच श्रीलंका के खिलाफ साल 2022 में खेला था। बैंगलोर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेल गए इस टेस्ट में भारत ने 238 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी।

## 40 से अधिक शतक लगाएंगे यशस्वी : मैक्सवेल

एजेंसी

**सिडनी ।** ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अपने टेस्ट करियर में 40 से अधिक शतक लगाने के साथ ही कई रिकॉर्ड बनाएंगे। मैक्सवेल के अनुसार हालातों के अनसार ढ़लने और बल्लेबाजी में कोई कमी नहीं होने का लाभ यशस्वी को मिलेगा। यशस्वी ने इस साल के शुरूआत में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके टीम में अपनी जगह पक्की की थी। मैक्सवेल ने कहा, ह्य जायसवाल एक ऐसा खिलाड़ी है जो संभवतः 40 से अधिक टेस्ट शतक

लगाएगा और कुछ अलग रिकॉर्ड भी बनाएगा। उसके पास अलग-अलग हालातों से तालमेल बिठाने की जबरदस्त क्षमता है। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में शानदार शतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस युवा बल्लेबाज ने अभी तक 15 टेस्ट मैच में 58.07 की शानदार औसत से 1568 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक शामिल हैं। पर्थ में पहली पारी में वह खाता नहीं खोल पाए थे पर दूसरी पारी में उन्होंने दबाव में आये बिना शानदार वापसी की जिससे उनके बल्लेबाजी कौशल का पता चलता है। मैक्सवेल ने कहा, ह्यउसने कई तरह के शॉट खेले पर बीच में उसने जिस तरह से गेंदें छोड़ी और जिस तरह से वह बैक फुट पर जाकर खेला वह महत्वपूर्ण था। उसका फुटवर्क बहुत अच्छा है। उसमें कोई खास कमजोरी है। वह शॉर्ट पिच गेंद को अच्छी तरह से खेलता है, अच्छी ड्राइव करता है, स्पिन को अविश्वसनीय रूप से अच्छी तरह से खेलता है और दबाव झेल सकता है। उन्होंने कहा, ह्यऑस्ट्रेलियाई टीम अगर उसे रोकने का कोई तरीका नहीं तलाश पायी तो उसकी मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

## हाइब्रिड मॉडल स्वीकार नहीं : पीसीबी

एजेंसी

**कराची ।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी आयोजन के लिए इब्रिड मॉडल उसे स्वीकार नहीं है और उसने ये जानकारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भी दे दी है। पीसीबी ने साथ ही आईसीसी हाइब्रिड मॉडल पर बात न करें। इससे पहले भारतीय बोर्ड ने अपनी टीम को सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान भेजने से इंकार कर दिया था। इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर आईसीसी ने सभी सदस्यों की वर्चुअल बैठक बुलाई है। वहीं कहा जा रहा है कि पीसीबी ह्यहाइब्रिड मॉडल का विरोध कर रहा है और उसने आईसीसी को

सलाह दी है कि चैंपियंस ट्रॉफी आयोजित करने के लिए कोई अन्य विकल्प ढूंढा जाए। पाकिस्तान बोर्ड का मानना है कि ह्यहाइब्रिड मॉडल में खेलने का मतलब भारत को वरीयता देना होगा। शुरू में पीसीबी ने भारतीय टीम के नहीं आने को लेकर इब्रिड मॉडल में खेलने की संभावना पर विचार किया था। उसने कहा था कि 2031 तक भारत और बांग्लादेश में वनडे विश्व कप वह भारत में होने वाले सभी आईसीसी टूनामेंट ह्यहाइब्रिड मॉडल में ही खेले जायेंगे क्योंकि पाकिस्तान भारत में नहीं खेलेगा। पीसीबी ने आईसीसी से पूछा है कि क्या उसके सामने बीसीसीआई ने अपनी सरकार से लिखित में पत्र प्रस्तुत किया था जिसमें कहा गया था कि भारतीय टीम को पाकिस्तान में खेलने की मंजूरी नहीं दी गई थी। सूत्र ने कहा, ह्यआईसीसी के नियमों के तहत अगर कोई टीम कहती है कि उसकी सरकार किसी भी आधार पर उसे दूसरे देश में खेलने की अनुमति नहीं दे रही है तो बोर्ड को अपनी सरकार के निर्देश लिखित में जमा करने होंगे जो हमने अभी तक नहीं देखे हैं।

## पहली जीत पाने के इरादे से ईस्ट बंगाल से भिड़ेगी नॉर्थईस्ट यूनाइटेड

एजेंसी

**कोलकाता।** ईस्ट बंगाल एफसी शुक्रवार शाम अपने घरेलू मैदान युवा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की मेजबानी करेगी, तो मेजबान टीम का लक्ष्य इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में जीत का स्वाद चखना होगा, जबकि हाईलैंडर्स अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए पूरे तीन अंक बटोरना चाहेंगे।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी नौ मैचों में चार जीत, तीन ड्रा और दो हार से 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 21 गोल दागे हैं और सिर्फ 15 गोल खाए हैं। वे पिछले पांच मैचों में एक हारे हैं।

ईस्ट बंगाल एफसी सात मैचों में एक ड्रा और छह हार से केवल

एक अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे फिसड्डी टीम बनी हुई है। हालांकि उसने मोहम्मडन एससी के खिलाफ कोलकाता डर्बी में गोलरहित ड्रा अपना पहला अंक बटोरा था और अब वो अपने उत्साही घरेलू दर्शकों के सामने पूरे तीन अंक पाना चाहेंगी।

ईस्ट बंगाल का नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के विरुद्ध सकारात्मक रिकॉर्ड रहा है, जिसमें वो 10 फरवरी, 2024 को अपने सबसे हालिया मुकाबले में 2-3 के अंतर से हारी थी लेकिन उससे पहले वो दो बार जीती और एक ड्रा खेला। रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड ने इस सीजन में अपने मैचों के शुरूआती 15 मिनट में केवल एक गोल खाया। लेकिन, वे इस अवधि में गोल नहीं कर पाए हैं।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने अपने पिछले चार मुकाबलों में तीन जीत दर्ज की और एक ड्रा खेला।

हाईलैंडर्स ने अपने मैचों में औसतन केवल 41% कब्जा रखा है, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने इस सीजन में सबसे ज्यादा 21 गोल किए हैं

ईस्ट बंगाल के स्पेनिश हेड कोच ऑस्कर ब्रुजोन ने भरोसा दिलाया कि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ घरेलू टीम ने अपना होमवर्क ठीक से किया है।

उन्होंने कहा, ह्लमुझे नहीं लगता कि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की आक्रामक ताकत के सामने हम बेअसर रहेंगे, लेकिन वो अधिक गोल करने की कोशिश करने आ रही हैं। लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने की कोशिश करेंगे और मैच जीतेंगे।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के स्पेनिश हेड कोच जुआन पेड्रो बेनाली ने कहा कि इस मैच में आक्रामकता और रक्षात्मक अनुशासन के बीच एक संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा।

उन्होंने कहा, ह्लहर मुकाबला अलग होता है। हमें गोल करने के लिए अधिक मौके बनाने होंगे और साथ ही उनको ऐसा करने से रोकना होगा। यही हमारा उद्देश्य है। बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमें आठ बार भिड़ चुकी हैं, जिनमें नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और ईस्ट बंगाल एफसी ने क्रमशः चार और दो मैच जीते हैं। दो मैच ड्रा रहे हैं।

लंदन में यूरोपा लीग फुटबॉल में खेलते हुए टोटेनहेम व एएस रोमा के खिलाड़ी।

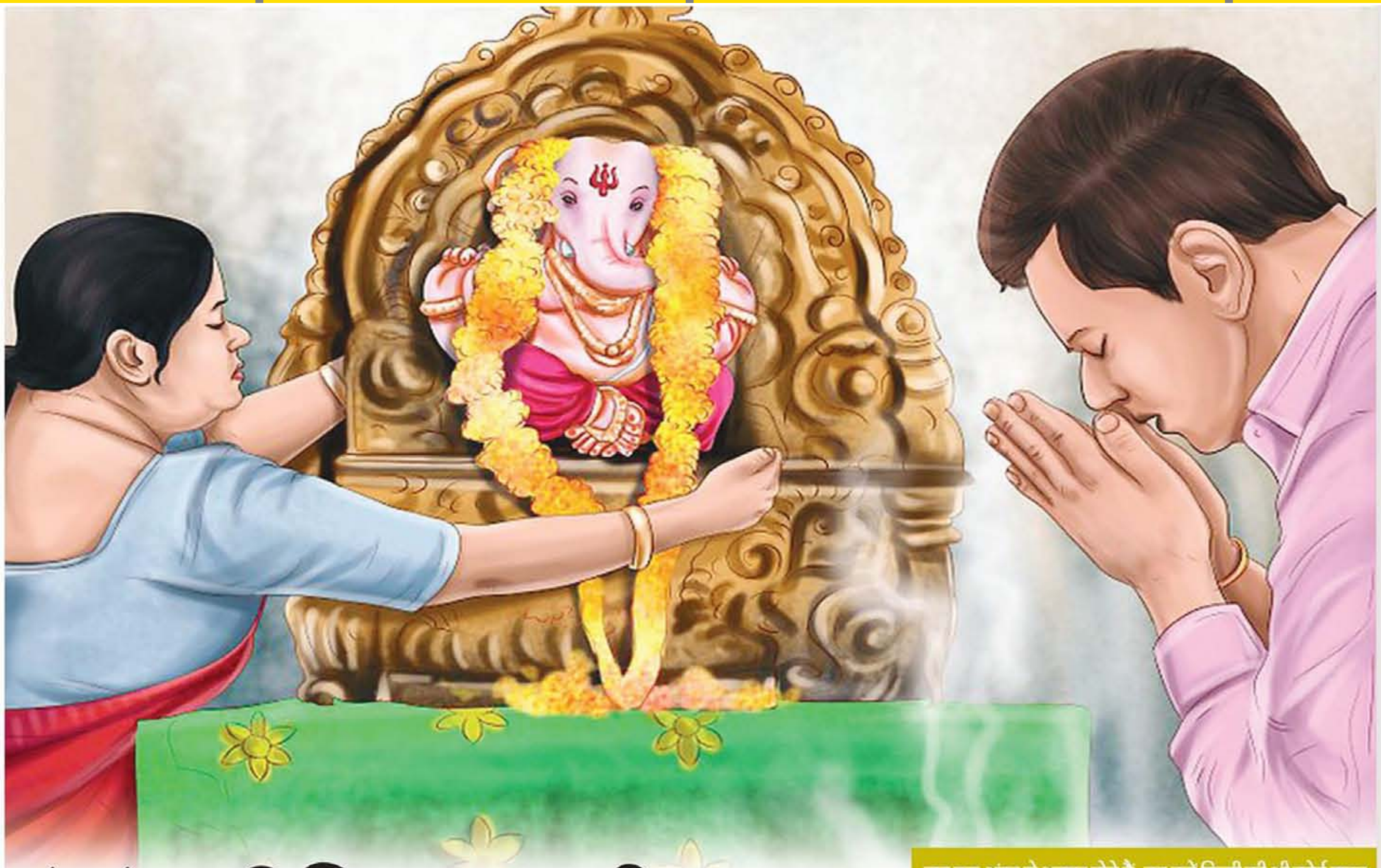

# ऐसे कीजिए प्रार्थना ईश्वर जल्द सुनेंगे

जब हम अंदर से भरपूर होते हैं, तब हमें किसी की भी कोई मदद की आवश्यकता नहीं रहती, परंतु ज्यों ही हमारा स्टॉक खत्म हो जाता है, त्यों ही हम एक असहाय बच्चे की तरह अपने दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना करने लगते हैं।

संसार में ऐसा कोई भी मनुष्य प्राणी नहीं होगा जो प्रार्थना न करता हो। अमीर, गरीब, छोटे,बड़े जो भी हैं, वे सभी प्रार्थना अवश्य करते हैं, मगर हममें से अधिकांश लोग दुःख की घड़ी में प्रार्थना ज्यादा करते हैं, इसलिए ही तो संत कबीर जी ने यह कहा है कि...

**दुख में सुमिरन सब करे, सुख में करै न कोय।**
**जो सुख में सुमिरन करे दुख काहे को होय॥**

वास्तव में देखा जाए तो ऐसा ही है, क्योंकि जब हम अंदर से भरपूर होते हैं, तब हमें किसी की भी कोई मदद की आवश्यकता नहीं रहती, परंतु ज्यों ही हमारा स्टॉक खत्म हो जाता है, त्यों ही हम एक असहाय बच्चे की तरह अपने दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना करने लगते हैं।

अनुभव के आधार परऐसा अनेक बार देखा गया है कि सच्चे हृदय से यदि भगवान की प्रार्थना की जाती है तो अपना इच्छित मनोरथ व कार्य जरूर पूरा होता है।

इसके पीछे का अध्यात्मिक रहस्य यह है कि प्रार्थना करने वाले को यह विश्वास रहता है कि परमात्मा ऐसा शक्तिशाली है कि वह आसानी से मेरी इच्छा को पूरा करेंगे ही। इसके साथ-साथ वह यह भी सोचता है कि मैं अपने अन्तःकरण का श्रेष्ठतम भाग, श्रद्धा,विश्वास, परमात्मा पर आरोपण करते हुए सच्चे हृदय से प्रार्थना कर रहा हूं।

इसलिए मेरी पुकार सुनी जाएगी। मनोचिकित्सकों के अनुसार कोई भी मनुष्य जब अपनी मानसिक स्थिति ऐसी बना ले कि मेरा मनोरथ सफल होने की पूरी आशा, पूरी संभावना है ही, तो अधिक मौकों पर उसके मनोरथ पूरे हो ही जाते हैं, क्योंकि आशा और संभावनामयी मनोदशा के कारण मनुष्य की शारीरिक और मानसिक शक्तियां असाधारण रूप से जाग उठती हैं जिसके फलस्वरूप सफलता का मार्ग बहुत आसान बनता जाता है और प्रायः वह प्राप्त भी हो जाता है।

परमात्मा की दृष्टि में सभी प्राणी एक समान हैं, अतः वे समदर्शी कहलाते हैं। किंतु उस समदर्शी को भी विवश होकर एक बार यह कहना पड़ा कि समदर्शी मोहि कह सबकोऊ। सेवक प्रिय अनन्य गति सोऊ॥

अर्थात सभी मुझे समदर्शी कहते हैं, पर मुझे सेवक प्रिय हैं, क्योंकि वह अनन्य गति होता है। इसीप्रकार से विष्णु चतुर्भुज की प्रार्थना में जब भक्तयह कहते हैं कि

**अविनयमपनय विष्णो दमयमनशमय विषयमृगतृष्णाम।**
**भूतदयां विस्तारयतारय संसारसागरत**

तब उनकी यह प्रार्थना में कितनी श्रद्धा, विश्वास एवं नम्रता दिखती हैं। अब ऐसा कौन मनुष्य होगा जो इस नम्रता परन पिघल उठे? यह तो फिर उस महान विभूति के लिये प्रयुक्त है जो अपनी दयालुता के लिए दया सागर के नाम से विख्यात हैं।

इस प्रार्थना के बाद क्या कोई चिन्ता, दुःख द्वेषादि टिक सकते हैं? बिलकुल नहीं! गीता में प्रभु स्वयंजब यह गारंटी देते हैं कि जो मनुष्य एकमात्र मुझे लक्ष्य मान कर अनन्य-भाव से मेरा ही स्मरण करते हुए कर्तव्य-कर्म द्वारा पूजा करते हैं, जो सदैव निरन्तर मेरी भक्ति में लीनरहता है उस मनुष्य की सभी आवश्यकता और सुरक्षा की जिम्मेदारी मैं स्वयं निभाता हूं,तो फिर उसे न मानने की कोई गुंजाइश नहीं रहती।

परमात्मा की ओर अपना ध्यान केंद्रित करें- यहां वहां हाथ फैलाने से बेहतर हैं की हम उस एक परमात्मा की ओर अपना ध्यान केंद्रित करें और अपनी हर समस्याओं का समाधान प्राप्त करने के लिए केवल उस एक सर्व शक्तिमान के सामने अपना माथा टेकें। सच्चे हृदय से यदि ईश्वर की प्रार्थना की जाएतो भक्तों की हर इच्छा व मनोरथ वह जरूर पूरी करते हैं।

# बड़े ही विचित्र तरीके से हुआ था राधा का जन्म

पुराणों में वर्णित है कि एक बार गोलोक में किसी बात पर राधा और श्रीदामा नामक गोप में विवाद हो गया। श्रीराधा ने उस गोप को असुर योनि में जन्म लेने का श्राप दिया। तब उस गोप ने भी श्रीराधा को यह श्राप दिया कि आपको भी मानव योनि में जन्म लेना पड़ेगा। वहां गोकुल में श्रीहरि के ही अंश महायोगी रायाण नामक एक वैश्य होंगे। आपका छाया रूप उनके साथ रहेगा। भूतल पर लोग आपको रायाण की पत्नी ही समझेंगे, श्रीहरि के साथ कुछ समय आपका विछोह रहेगा। ब्रह्म वैवर्त पुराण के अनुसार जब भगवान विष्णु के श्रीकृष्ण अवतार का समय आया तो उन्होंने राधा से कहा कि तुम जल्द ही वृषभानु के घर जन्म लो। श्रीकृष्ण के कहने पर ही राधा ब्रज में वृषभानु वैश्य की कन्या हुई। राधा देवी अयोनिजा यानी माता के गर्भ से उत्पन्न नहीं हुई थीं उनकी माता ने गर्भ में वायु को धारण कर रखा था। उन्होंने योगमाया की प्रेरणा से वायु को ही जन्म दिया परंतु वहां स्वेच्छा से श्रीराधा प्रकट हो गई।

# तीर्थ यात्रा करते वक्त ध्यान रखनी चाहिए ये 5 बातें

तीर्थ दर्शन की परंपरा काफी पुराने समय से चली आ रही है। मान्यता है कि तीर्थ यात्रा से जाने-अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही, अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। यदि आप भी किसी तीर्थ स्थान पर जाना चाहते हैं तो यहां जानिए 5 ऐसी बातें जो यात्रा में ध्यान रखना चाहिए

- तीर्थ क्षेत्र में जाने पर मनुष्य को स्नान, दान, जप आदि करना चाहिए। अन्यथा वह रोग एवं दोष का भागी होता है।
- अन्यत्र हिकृतं पापं तीर्थ मासाद्य नश्यति। तीर्थेषु यत्कृतं पापं वज्रलेपो भविष्यति। इस श्लोक का अर्थ यह है कि किसी दूसरी जगह किया हुआ पाप तीर्थ में जाने से नष्ट हो जाता है, लेकिन तीर्थ में किया हुआ पाप कभी नष्ट नहीं हो पाता है। अतः तीर्थ क्षेत्र में कोई अधार्मिक कर्म नहीं करना चाहिए।
- जब कोई व्यक्ति अपने माता-पिता, भाई, परिजन अथवा गुरु को पुण्य फल दिलवाने के उद्देश्य से तीर्थ में स्नान करता है, तब स्नान करने वाले व्यक्ति को पुण्य फल का बारहवां भाग प्राप्त होता है।
- जो व्यक्ति दूसरों के धन से तीर्थ यात्रा करता है, उसे पुण्य का सोलहवां भाग प्राप्त होता है।
- जो व्यक्ति किसी दूसरे कार्य से तीर्थ में जाता है तो व्यक्ति को तीर्थ जाने का आधा पुण्य फल प्राप्त होता है।

# इस कारण स्त्रियां कभी नहीं फोड़ती है नारियल!

नारियल को श्रीफल के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है की जब भगवान विष्णु ने पृथ्वी पर अवतार लिया तो वे अपने साथ तीन चीजें- लक्ष्मी, नारियल का वृक्ष तथा कामधेनु लाए इसलिए नारियल के वृक्ष को श्रीफल भी कहा जाता है। श्री का अर्थ है लक्ष्मी अर्थात नारियल लक्ष्मी व विष्णु का फल। नारियल में त्रिदेव अर्थात ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास माना गया है। श्रीफल भगवान शिव का परम प्रिय फल है। मान्यता अनुसार नारियल में बनी तीन आंखों को त्रिनेत्र के रूप में देखा जाता है। श्रीफल खाने से शारीरिक दुर्बलता दूर होती है। इष्ट को नारियल चढ़ाने से धन संबंधी समस्याएं दूर हो जाती हैं। भारतीय पूजन पद्धति में नारियल अर्थात श्रीफल का महत्वपूर्ण स्थान है। कोई भी वैदिक या दैविक पूजन प्रणाली श्रीफल के बलिदान के बिना अधूरी मानी जाती है। यह भी एक तथ्य है कि महिलाएं नारियल नहीं फोड़ती। श्रीफल बीज रूप है, इसलिए इसे उत्पादन अर्थात प्रजनन का कारक माना जाता है। श्रीफल को प्रजनन क्षमता से जोड़ा गया है। स्त्रियों बीज रूप से ही शिशु को जन्म देती हैं और इसलिए नारी के लिए बीज रूपी नारियल को फोड़ना अशुभ माना गया है। देवी-देवताओं को श्रीफल चढ़ाने के बाद पुरुष ही इसे फोड़ते हैं। शनि की शांति हेतु नारियल के जल से शिवलिंग पर रुद्रभिषेक करने का शास्त्रीय विधान भी है। भारतीय वैदिक परंपरा अनुसार श्रीफल शुभ, समृद्धि, सम्मान, उन्नति और सौभाग्य का सूचक माना जाता है। किसी को सम्मान देने के लिए उनी शॉल के साथ श्रीफल भी भेंट किया जाता है। भारतीय सामाजिक रीति-रिवाजों में भी शुभ शगुन के तौर पर श्रीफल भेंट करने की परंपरा युगों से चली आ रही है। विवाह की सुनिश्चित करने हेतु अर्थात तिलक के समय श्रीफल भेंट किया जाता है। बिदाई के समय नारियल व धनराशि भेंट की जाती है। यहां तक की अंतिम संस्कार के समय भी चिता के साथ नारियल जलाए जाते हैं। वैदिक अनुष्ठानों में कर्मकांड में सूखे नारियल को वेदी में होम किया जाता है।

श्रीफल कैलोरी से भरपूर होता है। इसकी तासीर ठंडी होती है। इसमें अनेक पोषक तत्व होते हैं। इसके कोमल तनों से जो रस निकलता है उसे नीरा कहते हैं उसे लज्जतदार पेय माना जाता है। सोते समय नारियल पानी पीने से नाड़ी संस्थान को बल मिलता है तथा नींद अच्छी आती है। इसके पानी में पोटेशियम और क्लोरीन होता है जो मां के दूध के समान होता है। जिन शिशुओं को दूध नहीं पचता उन्हें दूध के साथ नारियल पानी मिलाकर पिलाना चाहिए। डि-हाइड्रेशन होने पर नारियल पानी में नीबू मिलाकर पिया जाता है। इसकी गिरी खाने से कामशक्ति बढ़ती है। मिश्री संग खाने से गर्भवती स्त्री की शारीरिक दुर्बलता दूर होती है तथा बच्चा सुंदर होता है।

# घर के नजदीक हो ये पेड़-पौधे तो अवश्य करें पूजा होते हैं ढेरों लाभ

प्राचीनकाल से सनातन संस्कृति में पेड़-पौधों का पूजन होता आया है। ज्योतिष और वास्तु विद्वान भी मानते हैं की इनके पूजन करने से जीवन में आ रही बहुत सारी बाधाओं से मुक्ति पाई जा सकती है। कुछ ऐसे पेड़-पौधे होते हैं, जिन्हें घर में अवश्य रोपित करना चाहिए। यदि आपके घर में स्थान न हो तो आसपास भी ये दिखें तो अवश्य इनका पूजन करें। इससे आपको ढेरों लाभ प्राप्त होंगे।

## तुलसी

विष्णु प्रिया हर हिंदू घर में विराजित होनी चाहिए। यदि आपके घर में नहीं हैं तो आज ही ले आएं। सुबह-शाम इन्हें जल अर्पित कर दीपदान करना चाहिए। जिस घर में ऐसा होता है वहां कभी किसी चीज का अभाव नहीं रहता।

## पीपल

इस पेड़ को घर में नहीं लगाना चाहिए और न ही इसकी छाया आपके आशियाने पर पड़नी चाहिए। घर से थोड़ी दूरी पर रोपित इस पेड़ का पूजन अवश्य करें। पीपल को जल से सींचने पर सभी पापों का जहां नाश हो जाता है वहीं पितर भी प्रसन्न होकर जीव पर कृपा करते हैं।

## बिल्व

भगवान शिव के प्रिय बिल्व वृक्ष को काटने से वंश का अंश समाप्त हो जाता है और उसे लगाने से वंश में वृद्धि होती है। बिल्व पत्र के अभाव में शिव पूजा अधूरी रहती है। नौकरी में प्रमोशन पानी हो या दुख-दर्द से छुटकारा, करें इस पेड़ की पूजा।

## केला

घर में केले का पेड़ ईशान कोण में लगाने से धन वृद्धि होती है। यदि इसके साथ तुलसी का पौधा भी रोपित कर दिया जाए तो घर-परिवार पर श्रीविष्णु-लक्ष्मी की कृपा सदा बनी रहती है।

## बरगद

बरगद का पूजन करने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि सदा बनी रहती है।

## आंवला

प्रतिदिन इसका पूजन करने से जाने-अनजाने किए गए पापों से मुक्ति मिलती है।

## शमी

घर में शमी का पेड़ लगाने से दैवीय कृपा बनी रहती है।

## अशोक

ये पेड़ जीवन से हर शोक का नाश करता है। जो लोग प्रतिदिन अशोक के पेड़ पर जल अर्पित करते हैं उन पर दैविय कृपा बनी रहती है। उन्हें बीमारी, दुख, अशान्ति जैसी चिंताएं छू भी नहीं पाती।

# ये काली काली आंखें में अपने किरदार के लिए गुरमीत चौधरी ने घटाया 10 किलो वजन

अभिनेता गुरमीत चौधरी को ये काली काली आंखें के नए सीजन में अपने दमदार किरदार में देखा जा सकता है। अपने इस खास किरदार के लिए अभिनेता ने अपने हेयर स्टाइल से लेकर अपने वजन घटाने पर भी काम किया। सीरीज में इस खास किरदार निभाने को लेकर गुरमीत ने काफी मेहनत की है। अपनी भूमिका में जान डालने के लिए अभिनेता ने सख्त डाइट और हैवी वर्कआउट से अपना लगभग 10 किलो तक वजन घटाया। ये काली काली आंखें में काम करने और अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेता गुरमीत ने कहा, सीरीज में गुरु का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद ही चुनौतीपूर्ण था। इसके साथ ही यह बेहद रोमांचक भी रहा। मेरे निर्देशक सिद्धार्थ सेनगुप्ता के पास मेरे किरदार के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण था, जिसके लिए मुझे बड़े पैमाने पर तैयारी करनी पड़ी। आगे कहा, मैंने इसके लिए कई एक्टिंग वर्कशॉप में भाग लिया, अपने लंबे बाल छोटे करवाए और वजन घटाने के लिए सख्त डाइट का पालन किया। मनचाहा लुक पाने के लिए मैं रोजाना बांद्रा में दौड़ने जाता था और आखिरकार मैंने 10 किलो वजन कम कर लिया। उन्होंने कहा कि इस सीरीज में काम करना मेरे लिए बेहद ही एक खास तरह का अनुभव था। मैं इसके लिए सिद्धार्थ सर का आभारी हूं, जिन्?होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझमें गुरु के किरदार को देखा। ये काली काली आंखें नेटफ्लिक्स पर एक रोमांटिक क्राइम थ्रिलर टेलीविजन सीरीज है जिसे सिद्धार्थ सेनगुप्ता ने बनाया और निर्देशित किया है। इस सीरीज में श्वेता त्रिपाठी और आंचल सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही सौरभ शुक्ला, सूर्या शर्मा, अरुणोदय सिंह और बृजेंद्र काला भी सहायक भूमिकाओं में हैं। इस सीजन में गुरमीत चौधरी की भी एंट्री हुई है, जो पूर्वा का दोस्त है और उसे सुरक्षित घर वापस लाने की कसम खाता है। यह अस्तित्व का एक खतरनाक खेल है, और इस सीजन में गुरमीत चौधरी की दमदार एंट्री के साथ, दांव और भी बढ़ गए हैं। एजस्टॉर्म वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित, ये काली काली आँखें सीजन 2, 22 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ। गुरमीत ने 2009 की टेलीविज़न सीरीज़ रामायण में देबिना बनर्जी के साथ राम की भूमिका निभाकर प्रसिद्धि पाई। इसमें देबिना ने सीता की भूमिका निभाई थी। अभिनेता ने गीत-हुई सबसे पराई, पुनर्विवाह, झलक दिखला जा, नच बलिए 6, फियर फैक्टर-खतरों के खिलाड़ी (सीजन 5) जैसे शो का हिस्सा ले चुके हैं। बॉलीवुड में गुरमीत की पहली फिल्म 2015 में आई थी।

## श्वेता त्रिपाठी की दर्शकों से गुजारिश

# महिला केंद्रित कहानियों को कीजिए सपोर्ट

श्वेता त्रिपाठी ने कई फिल्मों और वेब सीरीज में उम्दा काम किया है। इस समय वह अपनी नई वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2 को लेकर काफी उत्साहित हैं। इसमें उन्होंने काफी अलग रोल निभाया है। लेकिन इसके बावजूद वह मानती हैं कि अब भी महिला कलाकारों को उतने अच्छे रोल नहीं मिलते हैं, जितने की मिलने चाहिए। पुरुष कलाकारों को मिलती हैं अच्छी कहानियां हाल ही में एक इंटरव्यू में श्वेता त्रिपाठी कहती हैं कि पुरुष कलाकारों को बेहतर कहानियां मिलती हैं। इसलिए उनकी ख्वाहिश भी पुरुष किरदार निभाने की है। इसके अलावा वह दर्शकों से भी गुजारिश करती हैं कि महिला प्रधान फिल्मों और शो का समर्थन करें।

**ये काली काली आंखें 2 के किरदार से खुश**

श्वेता त्रिपाठी आगे कहती हैं कि मैं चाहती हूं कि मेरे किरदार एक-दूसरे से अलग हों। वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2में शिखा का किरदार मुझसे बहुत अलग है और मैं उसकी दुनिया में कदम रखने की चुनौती का आनंद ले रही हूं। इस सीरीज की कहानी थ्रिलर वाली है, जिसमें श्वेता के साथ ताहिर राज नजर आ रहे हैं।

**मिर्जापुर में किया था दमदार रोल**

श्वेता त्रिपाठी ने वेब सीरीज मिर्जापुर में भी गोलू का किरदार निभाया था। इसमें वह काफी दमदार किस्म के किरदार को निभाती हुई दिखीं। दर्शकों ने उनको इस रोल में काफी सराहा। उनके साथ इस सीरीज में कई उम्दा कलाकार भी थे, जिसमें पंकज त्रिपाठी और अली फजल जैसे नाम शामिल रहे।

**आगे भी अच्छा काम करेंगी**

आगे भी श्वेता का मन अच्छी और बेहतरीन फिल्में करने का है। इस समय तो वह वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2 पर ही ध्यान दे रही हैं। वह जानना चाहती हैं कि दर्शक इस सीरीज को कितना पसंद करते हैं। इस वेब सीरीज की सफलता श्वेता के करियर में बहुत ज्यादा ही मायने रखती है।

# तेलुगु फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे बाबिल-कृति

कला और फ्राइडे नाइट प्लान जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाले अभिनेता बाबिल खान अब बॉलीवुड में बड़ा धमाल मचाने को तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बाबिल जल्द ही हिट तेलुगु फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। वह इस फिल्म में आनंद देवरकोंडा वाले किरदार को निभाते दिखेंगे। सूत्रों के अनुसार फिल्म के लिए मुख्य अभिनेत्री की तलाश अभी जारी है। तेलुगु संस्करण में वैष्णवी चैतन्य की अदाकारी को दर्शकों ने खूब सराहा था। वहीं, हिंदी संस्करण के लिए दक्षिण भारतीय अभिनेत्री कृति शेट्टी के नाम की चर्चा जोरों पर है। बाबिल और कृति के फिल्म में नजर आने की फिलहाल कोई भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि, दोनों ही कलाकारों के एक साथ नजर आने की चर्चा से फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं।

## सुपर 30 में दिख चुकी हैं कृति

माना जा रहा है कि बॉलीवुड में कदम जमाने के लिए यह फिल्म बाबिल खान के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। कृति शेट्टी के लिए भी यह फिल्म बॉलीवुड रास्ते खोलने में कारगर साबित हो सकती है। इससे पहले कृति को सुपर 30 में एक छात्रा की भूमिका में देखा गया था।

## द रेलवे मेन से बाबिल ने बटोरी थी सुर्खियां

वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछले साल बाबिल को वेब सीरीज द रेलवे मेन में देखा गया था। इस शो में दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी के बीच बाबिल ने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी ज्यादा प्रभावित किया था। भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित इस शो में उन्होंने इमाद रियाज नाम के शख्स की भूमिका निभाई थी। वहीं, कृति को हाल ही में मलयालम फिल्म एआरएम में देखा गया था। यह इस इडस्ट्री में उनकी पहली फिल्म थी।

# सामंथा ने बताया कैसे तलाक के बाद ध्वस्त हो गईं जीवन से जुड़ी योजनाएं

सामंथा रूथ प्रभु और नागा चैतन्या ने साल 2021 में तलाक की घोषणा की थी। दोनों ने साल 2017 में शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया था, लेकिन उनका ये रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं टिक सका। साल 2021 में दोनों ने तलाक ले लिया। तलाक के बाद अभिनेत्री ने अनुपमा चोपड़ा के साथ बातचीत के दौरान कहा था कि जीवन के लिए उनके द्वारा बनाई गई सभी योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं। अब उनका ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री तलाक को लेकर बात करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, मेरा मतलब है, 2021 में मेरे निजी जीवन में जो कुछ भी हुआ है, उसे लेकर वास्तव में मुझे कोई उम्मीद नहीं थी। मेरी सभी सावधानीपूर्वक बनाई गई योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं, इसलिए मुझे कोई उम्मीद नहीं है। भविष्य में मेरे लिए जो कुछ भी है, मैं उसके लिए तैयार हूं। मैं बस इतना जानती हूं कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। अभिनेत्री ने तलाक के बाद हुई आलोचनाओं को लेकर कहा, मेरे बारे में बहुत सी ऐसी बातें कही गई जो बिल्कुल झूठ थीं। मुझे याद है कि जब चीजें वास्तव में बहुत खराब थीं। मेरे खिलाफ पूरी तरह से झूठ फैलाए जा रहे थे, तब मैंने खुद से यह बातचीत की थी। कई बार ऐसा हुआ जब मैं सामने आकर कहना चाहती थी कि यह सच नहीं है, मैं आपको सच बताती हूं।

# तापसी ने शाहरुख के व्यक्तित्व पर की बात

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को जितनी तारीफें उनकी शानदार अभिनय क्षमता के लिए मिलती हैं, उतनी ही तारीफें उन्हें उनके व्यवहार के लिए मिलती है। हाल में ही शाहरुख के साथ फिल्म डंकी में काम कर चुकीं अभिनेत्री तापसी पन्नू ने उनकी तारीफ की है। उन्होंने किंग अभिनेता की बुद्धिमता, उनकी मौजूदगी आदि चीजों को लेकर बात की है। तापसी ने कहा कि शाहरुख में कुछ ऐसे गुण हैं, जो उनको दूसरों से अलग करते हैं। वो अपने आप में बेजोड़ हैं। तापसी ने डंकी के दौरान शाहरुख खान के साथ काम करने को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, ऐसे बहुत कम लोग हैं, जिनकी ऑन-स्क्रीन उपस्थिति ही नहीं, बल्कि ऑफ-स्क्रीन उपस्थिति भी होती है। वे बहुत पढ़े-लिखे हैं और आपसे कोई भी गहन बातचीत कर सकते हैं। तापसी ने शाहरुख खान को एक संपूर्ण व्यक्ति बताया है। उन्होंने कहा कि शाहरुख के पास बेहतरीन सेंस ऑफ ह्यूमर है और उनका दिमाग बातचीत के दौरान काफी सक्रिय भी रहता है, जो उन्हें एक संपूर्ण व्यक्ति बनाती है, जो उन्हें फिल्म इंडस्ट्री के अन्य लोगों से काफी अलग करती है। तापसी पहले ऐसी फिल्मी हस्ती नहीं हैं, जिन्होंने बॉलीवुड सुपरस्टार के व्यक्तित्व की तारीफ की।

# मनी लॉन्ड्रिंग मामले से मुक्त होंगी जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज का नाम काफी समय से ठग सुकेश चन्द्रशेखर से जोड़ा जाता रहा है। हाउसफुल 5 की अभिनेत्री ने हमेशा सुकेश के नाम से जुड़े सभी अवैध मामलों से अपने संबंधों से इनकार किया है। इस बीच, अभिनेत्री के वकील ने तर्क दिया है कि जैकलीन सुकेश के अवैध मामलों से अनजान थीं, और उन पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुकदमा नहीं चलाया जाना चाहिए। जैकलीन फर्नांडीज के वकील ने दलील दी है कि उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप नहीं लगाया जा सकता क्योंकि वह पैसे कमाने के उद्देश्य से किसी अपराध का हिस्सा नहीं थीं। फर्नांडीज का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी। यह मामला ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ दायर आरोप पत्र से संबंधित है। अग्रवाल ने आगे तर्क दिया कि फर्नांडीज को इस बात का अंदाजा नहीं था कि उन्हें चंद्रशेखर से जो गिफ्ट मिले थे, वे ठगी के पैसे से खरीदे गए थे। उन्होंने कहा, आपराधिक गतिविधि में संलिप्तता दिखाने के लिए ज्ञान आवश्यक है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने विजय मदनलाल चौधरी के मामले में पिछले फैसले का भी हवाला दिया, जिसका अर्थ है कि जांच के दौरान जब्त की गई सभी संपत्ति आवश्यक रूप से अपराध की आय नहीं है। अग्रवाल ने यह भी तर्क दिया कि एक ही तथ्य पर दो मामले नहीं चलाए जा सकते। उन्होंने कहा कि अदिति सिंह से जबरन वसूली के एक मामले में मकोका के तहत मुकदमा चलाया जा रहा है और अभिनेत्री उस मामले में गवाह हैं। इसलिए, उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप नहीं लगाया जा सकता क्योंकि वह किसी अपराध सिंडिकेट का हिस्सा नहीं हैं और उन्होंने इससे कोई आर्थिक लाभ नहीं उठाया है।

## 3 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई

एएनआई के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब फर्नांडीज द्वारा उस आरोप पत्र के खिलाफ दायर याचिका में अपनी दलीलें पेश करेगा, जिसमें उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर को तय की है, जहां ईडी के विशेष वकील की दलीलें सुनी जाएंगी।

# इस वजह से मल्लिका शेरावत ने ठुकरा दी 'द रॉयल्स'

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने राजकुमार राव की फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी फीमेल लीड के रूप में नजर आईं। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें शुरू में नेटफ्लिक्स शो 'द रॉयल्स' का हिस्सा बनने के लिए चुना गया था। यह एक मॉडर्न इंडियन रोमांटिक कॉमेडी सीरीज है। इस शो में उन्हें ईशान खट्टर की ऑनस्क्रीन मां की भूमिका के लिए चुना गया था। आइए जानते हैं अभिनेत्री यह ऑफर क्यों ठुकरा दिया था। मल्लिका ने ईशान खट्टर की ऑनस्क्रीन मां की भूमिका को ठुकराने का कारण भी बताया। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, मुझसे कुछ वादा किया गया था और जो अनुवाद किया गया वह मुझे पेपर पर बहुत ही बेकार लगा। मुझे धोखा और निराश महसूस हुआ, इसलिए मैं इसका हिस्सा नहीं बनना चाहती थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे पहले मल्लिका की टीम ने बताया, मल्लिका ने प्रोडक्शन टीम के साथ रचनात्मक मतभेदों के कारण फरवरी में इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया। भूमिका शुरू में किए गए वादे के अनुरूप नहीं थी। कई चर्चाओं के बाद, उन्होंने आखिरकार इसे छोड़ने का फैसला किया। 'द रॉयल्स' में भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, चंकी पांडे और नोरा फतेही, चंकी पांडे और डिनो मोरिया, विहान समत, काव्या त्रेहान, सुमुखी सुरेश, उदित अरोड़ा, लिसा मिश्रा और ल्यूक केनी

**अभिनेत्री की क्षमता का हुआ कम उपयोग**

मल्लिका ने यह भी साझा किया कि उन्हें लगता है कि कॉमेडी शैली में उनका कम उपयोग किया गया है। उन्होंने कहा, लोगों ने अभी भी मेरी क्षमता का उपयोग नहीं किया है। मैं चाहती हूं कि इंडस्ट्री मेरी कॉमिक टाइमिंग और मेरी क्षमता का अधिक से अधिक कॉमेडी में उपयोग करें, क्योंकि मुझे कॉमेडी करना पसंद है। मुझे लगता है कि कॉमेडी में मेरा कम उपयोग किया गया है और मैं चाहती हूं कि इंडस्ट्री मुझे अधिक से अधिक कॉमिक भूमिकाएं दे। साथ ही, मैं अब ऐसी भूमिकाएं करना चाहती हूं, जिसमें दम हो।

# फौजा के रीमेक पर राज शांडिल्य बोले

दुनिया के सबसे बुजुर्ग मैराथन धावक फौजा सिंह पर आधारित फौजा के रीमेक को लेकर निर्माता राज शांडिल्य ने बात की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जो क्षेत्रीय सीमाओं को पार करती है, उन्हें यह फिल्म हिंदी सिनेमा में लाने पर गर्व है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के निर्माता, राज शांडिल्य और विमल लाहोटी ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म 'फौजा' का हिंदी में रीमेक के लिए टीम बनाई है। राज और विमल ने रीमेक के अधिकार हासिल कर लिए हैं। राज शांडिल्य के इस बड़े प्रोजेक्ट का निर्माण उनके बैनर कथावाचक फिल्म्स के तहत किया जाएगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए शांडिल्य ने कहा, फौजा एक ऐसी कहानी है, जो भाषा और क्षेत्रीय सीमाओं को पार करती है। मुझे हिंदी सिनेमा में फौजा लाने पर गर्व है। 'फौजा' वास्तव में असाधारण साहस और भावना की कहानी है, जो देश भर के दर्शकों के द्वारा अनुभव की जाने योग्य है। मेरा लक्ष्य भी यही है कि एक ऐसी फिल्म तैयार हो जो हिंदी भाषी दर्शकों के साथ ही सभी को पसंद आए। निर्माता विमल लाहोटी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह व्यक्त किया और कहा, फौजा' उत्कृष्ट क्षेत्रीय सिनेमा को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम प्रभावशाली कहानी कहने में विश्वास करते हैं और फौजा का हिंदी रीमेक असाधारण क्षेत्रीय सिनेमा को दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक कदम है। इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। 'फौजा' का हिंदी में निर्माण एक ऐसी कहानी को फिर से बताने का एक अविश्वसनीय अवसर है, जिसने पहले ही कई लोगों के जीवन पर शानदार असर डाला है।

# बोरवेल तथा दो आरओ प्लांट किये सील

**नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा के गढ़ी चौखंडी व FNG विहार में अवैध भूजल दोहन के संबंध में प्राप्त ऑनलाइन शिकायत पर संज्ञान लेते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे द्वारा निर्गत निर्देशों के क्रम में नगर मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्रा, नोएडा प्राधिकरण (सिविल) के अधिकारियों तथा भूगर्भ जल विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया।

नगर मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्रा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान हिंडन नदी के किनारे श्मशान घाट के पास सत्य प्रकाश पुत्र रामलाल की जमीन पर अवैध बोरवेल स्थापित पाया गया, जिसको मौके पर ही मौजूद अधिकारियों की उपस्थिति में सील कर दिया गया। इसके अतिरिक्त FNG विहार नोएडा में स्थापित 1 आरओ प्लांट मनोज यादव पुत्र राजपाल द्वारा संचालित तथा 1 आरओ प्लांट देवेंद्र पुत्र भीष्म द्वारा संचालित, दोनों को बंद कराया गया। उन्होंने बताया कि अवैध बोरवेल चलाने एवं आर ओ प्लांट के स्वामियों के विरुद्ध जुर्माना लगाने की कार्रवाई की जाएगी।

नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार अवैध भूजल दोहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी के नेतृत्व में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से अभियान चलाकर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

# धारा' मीटर से पानी की बर्बादी पर लगेगी लगाम

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों में पानी की बर्बादी रोकने के लिए अल्ट्रासोनिक वाटर मीटर लगाने का निर्णय लिया है। जल विभाग ने

## ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों में मीटर लगाने की तैयारी

इस योजना पर काम भी शुरू कर दिया है। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-1 स्थित वेलेंसिया होम्स और सेक्टर 10 स्थित अरिहंत सोसाइटी में वाटर मीटर लगाया गया है। एक माह तक ट्रायल चलेगा। ट्रायल सफल रहने पर इसे अन्य सोसाइटियों में भी लगाया जाएगा।

गिरते भूजल स्तर को रोकने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण लगातार प्रयास कर रहा है। प्राधिकरण सिंचाई के लिए एसटीपी के पानी का इस्तेमाल कर रहा है। गंगाजल से पेयजल आपूर्ति की जा रही है। वहीं अब मीटर लगाकर पानी की बर्बादी रोकने के लिए कदम बढ़ाया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने जल विभाग को निर्देश दिए हैं कि पानी की बचत के लिए सभी बल्क वाटर यूजर्स (ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी) के यहां पानी के मीटर लगाने के निर्देश दिए हैं। ग्रेटर नोएडा में 300 से अधिक सोसाइटियां हैं। फिलहाल वेलेंसिया होम्स व अरिहंत सोसाइटी में यह अल्ट्रासोनिक वाटर मीटर गया है। एक महीने के परीक्षण के बाद

इसे अन्य सोसायटियों में लगाने का निर्णय लिया जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि ये मीटर बैटरी से चलेंगे। इसमें सिम कार्ड सेंसर लगा होगी, जिससे रियल टाइम डाटा प्राधिकरण को प्राप्त हो सकेगा, जिससे रियल टाइम मॉनिटरिंग हो सकेगी। इसे डीआरडीओ और आईआईटी चेन्नई ने मिलकर तैयार किया है। धारा नाम की कंपनी इसे लगा रही है। इससे पानी के खर्च के हिसाब से बिल भी प्राप्त हो सकेगा। इससे लोग पानी जरूरत के हिसाब से खर्च करेंगे। पानी की बर्बादी रुकेगी। अभी एरिया के हिसाब से पानी का बिल जमा होता है। इससे पहले भी वाटर मीटर लगाने का प्लान बना, लेकिन मीटर को बिजली कहां से मिलेगी, यह परेशानी सामने आ रही थी। वहीं, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने ग्रेटर नोएडावासियों से पानी की बचत करने की अपील की है।

# वकीलों ने बनाई मानव श्रंखला जज कंपाउंड के गेट पर जड़ा ताला

**गाजियाबाद (चेतना मंच)।** गाजियाबाद जिला कोर्ट में आरपार की लड़ाई का ऐलान किया। वकील हापुड़ रोड पर पहुंचे

लाठीचार्ज के विरोध में वकीलों की हड़ताल जारी है। वकील धरनास्थल पर एकत्र हुए और और मानव श्रृंखला बनाकर जिला जज के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद वकीलों ने पदयात्रा निकाली। सैकड़ों वकील जिलाधिकारी कार्यालय, आबकारी विभाग रोड होते हुए जिला जज कंपाउंड पहुंचे और जिला जज कंपाउंड के मुख्य द्वार पर ताला लगा मिला।गाजियाबाद बार एसोसिएशन को एक बार फिर वकीलों की हड़ताल स्थगित करने का फैसला वापस लेना पड़ा है। बृहस्पतिवार को एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा और सचिव अमित नेहरा ने कचहरी में बुलाई गई वकीलों की आम सभा में पहुंचकर हड़ताल को समर्थन किया। दोनों ने कहा कि जिला जज अनिल कुमार और लाठीचार्ज के दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई होने तक हड़ताल जारी रहेगी। इस पर वकीलों ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार कर दिया।

# 'महिलाओं की हुंकार, 10 प्रतिशत नहीं तो घर वापसी नहीं', 2 को दिल्ली कूच

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** यमुना विकास प्राधिकरण पर चल रहे संयुक्त किसान मोर्चा के

महापड़ाव की महिलाओं ने कमान संभालते हुए आंदोलन को और मजबूती दी है। धरने के पांचवें दिन की अध्यक्षता तिलक देवी और संचालन रईसा बेगम ने किया।

जेएनयू की संस्कृति कर्मी कामरेड कोमिता के नेतृत्व में गीतों की प्रस्तुति हुई, जहां 'बोल किसान हल्ला बोल' जैसे जोशीले गीतों ने आंदोलन को नई ऊर्जा दी। महिलाओं ने सरकार को खुली चुनौती देते हुए ऐलान किया। 10 प्रतिशत नहीं तो घर वापसी नहीं। साथ ही, 2 दिसंबर को दिल्ली कूच का अल्टीमेटम दिया।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने कहा कि सरकार के पास 1 दिसंबर तक का समय है। अगर किसानों के पक्ष में फैसला नहीं लिया गया, तो आंदोलन उग्र रूप लेगा। यह लड़ाई आर-पार की है, और किसान जीत के बिना पीछे नहीं हटेंगे।

धरने में विमल शर्मा, निर्मला खटाना, पवन नागर, राज बती, कमलेश क्रांति नागर, और सैकड़ों महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए आंदोलन को और धार दी। महिलाओं की चुनौती और संकल्प ने आंदोलन को निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया है।

**SAHARA BUILDER & PROPERTIES™**
ISO 9001:2008
PROPERTIES AVAILABLEFORSALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

| S.No | Plot Size | House No./Block | Price | Other Details |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 300 Sq.mtr | C-291, Sigma - 02 | 92 Lakh | Completion, S/W |
| 2 | 200 Sq.mtr | G-660, Alpha - 02 | 1.25 Cr. | Completion,N/E & 18 MTR Road |
| 3 | 60 Sq.mtr | G-439, Gamma - 02 | 52 Lakh | Single Story, Corner(18X12),N/E |
| 4 | 1265 Sq.ft | Silver City - 02, PI-1 | 55 Lakh | 2+1 BHK Apartment |
| 5 | 29.76 Sq.ft | 3TF/Block-60, Sector - 10 | 9 Lakh | 1 BHK, Top Floor |
| 6 | 2450 Sq.ft | Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04 | On Request | 4BHK, Low rise, Lift |
| 7 | 237 Sq.mtr | C-363, Sector - 03(EXTN) | 1.40 Cr. | 50% Completion, Corner, N/ W |
| 8 | 110 Sq.mtr | 5% Plot, CHI PHI EXTN | 23000/Sq.Mtr. | Corner Plot |
| 9 | 131 Sq.mtr | 5% Plot, CHI PHI EXTN | 23000/Sq.Mtr. | Corner Plot |
| 10 | 930 Sq.mtr | 5% Plot, CHI PHI EXTN | 14000/Sq.Mtr. | Corner Plot |

COMMERCIAL

| S.No | Shop Size | Complex Address | Price | Other Details |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 29.5 Sq.mtr | Block - C, Alpha - 01 | 95 Lakh | G.Floor, Corner, N/E |
| 2 | 463 Sq.ft | NQI Plaza, Alpha - 01 | 95 Lakh | G.Floor, N/E |
| 3 | 19.5 Sq.mtr | Kadamba Shopping Complex, Gamma -01 | 40 Lakh | G.Floor, N/W |
| 4 | 8.15 Sq.mtr | Kiosk, P-3 | 22 Lakh | 24 Mtr Road, N/W |

CONTACT US :+919810441077, +919710441077
Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1 Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308

# प्राधिकरण ने 6 स्थानों पर बनाए रैन बसेरा

**नोएडा (चेतना मंच)।** ठंड में सड़क पर रात गुजारने वाले लोगों को राहत देने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने 6 स्थानों पर रैन बसेरे का निर्माण किया है। यहां अलग-अलग वर्क सर्किल में रैन बसेरा बनाए गए हैं। इनमें महिला और पुरुषों के रुकने के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई है। इनके लिए यहां पीने के लिए पानी, शौचालय की व्यवस्था रहेगी। यहां पर खाना भी दिया जाएगा। आने वाले दिनों में जरूरत पड़ने पर कुछ और रैन बसेरे शुरू करने की योजना है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि रैन बसेरा की जानकारी के लिए भी अनाउंसमैंट कराया जा रहा है। बतौर इनकी रात और दिन में मॉनिटरिंग की जा रही है। रैन बसेरों में गद्दे, कम्बल, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ शौचालय की निशुल्क व्यवस्था की गई है। प्रतिदिन सेनिटाइजेशन नियमित रूप से कराया जाएगा। हैंड सेनिटाइजर की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ लोकेश एम ने बताया कि रैन बसेरों में एक-एक केयर टेकर को भी तैनात किया गया है। इसका नम्बर रैन बसेरों के गेट पर लिखा गया है। रात्रि में रैन बसेरे की सुरक्षा के एक-एक चैकीदार भी तैनात किया है। यहां आने जाने वाले लोगों का पूरा रिकार्ड भी रखा जा रहा है। ताकि कोई अराजक तत्व यहां न आए। रैन बसेरे के आसपास शीतलहर से बचाव के लिए प्रतिदिन अलाव जलाने की भी व्यवस्था की गई है।

# मरीज की मौत के बाद हंगामा, परिजनों ने डॉक्टर को पीटा

**नोएडा (चेतना मंच)।** सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के ESIC

अस्पताल में एक 19 वर्षीय मरीज की मौत के बाद उसके परिजनों ने डॉक्टरों पर हमला किया।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार देर रात (19 वर्षीय) युवक को अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया। डॉक्टर आरिफ ने मरीज का चेकअप किया और सीपीआर भी किया। हालांकि, सुबह होते-होते मरीज ने दम तोड़ दिया। परिवार के लोगों का आरोप है कि डॉक्टर की लापरवाही के कारण उनके बेटे की मौत हुई। सुबह आठ बजे तक डॉक्टर आरिफ का इंतजार करने के बाद उन्होंने अस्पताल में हंगामा मचाया। जैसे ही डॉक्टर आरिफ घर जाने के लिए निकले परिजनों की उनसे कुछ कहासुनी हुई बाद में उनको पीटा भी है।

स्थानीय अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। यह घटना स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ते तनाव और विश्वास की कमी को दर्शाती है।

मामला अत्यंत संवेदनशील है और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है।

# विद्युत यांत्रिकी विभाग के जेई को हटाया

## दो वरिष्ठ अफसरों पर भी लटकी तलवार

**नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने बिजली विभाग के एक और जूनियर इंजीनियर (जेई) को काम से हटा दिया है। यह कार्रवाई मिली शिकायतों के बाद की गई। वरिष्ठ अधिकारी ने चेतावनी दी है कि यदि किसी अन्य कर्मचारी की लापरवाही पाई जाती है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा एक उत्कृष्ट क्षेत्र

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सर्किल 2 और 4 में कार्यरत जेई अजय देशवाल को काम से हटा दिया गया है। उन्हें अब सेफ सिटी से संबंधित कामकाज में तैनात किया जाएगा। यह कार्रवाई पिछले दिनों की गई एक अन्य कार्रवाई के बाद आई है, जिसमें दो महीने पहले अजय देशवाल के रिश्तेदार जेई तुषार देशवाल की भी सेवा समाप्त की गई थी। जांच में पाया गया कि फर्जी तरीके से नौकरी लगवाई गई थी।

बिजली विभाग में कुछ अन्य कामकाज की भी जांच चल रही है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, वरिष्ठ प्रबंधक प्रदीप कुमार और प्रबंधक शिव शक्ति जायसवाल को निलंबित करने के लिए शासन को पत्र लिखा जा रहा है। साथ ही, संबंधित कर्मचारियों की संपत्ति की भी जांच की जाएगी। इसमें पिछले दिनों नौकरी से हटाए गए जूनियर इंजीनियर अनेक सिंह का नाम भी शामिल है।

आरोप है कि सभी ने मिलीभगत कर करोड़ों रुपये का फर्जीवाड़ा किया है। इस तरह के अनेक कार्यों में फर्जीवाड़ा कर प्राधिकरण को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाते हुए अकूत सम्पति अर्जित की है। इन सभी शिकायतों की एक-एक कर जांच की जा रही है।